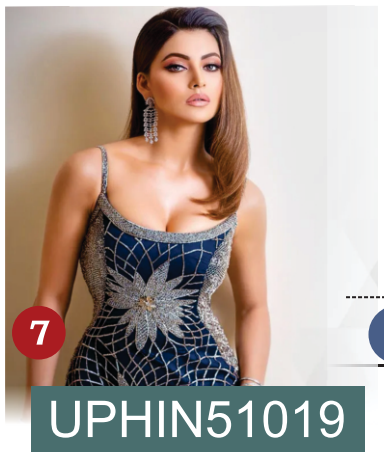

7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 अखिलेश ने छात्रों का किया समर्थन

5 नकली दवाओं की सप्लाई...

8 टी20 में भारत के सबसे सफल तेज गेंदबाज बने अर्शदीप

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 21 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 18 नवम्बर, 2024

शवों के ढेर में अपनों को तलाशते रहे परिजन, कई नवजातों के हाथ की निकली थी स्लिप

झांसी मेडिकल कालेज में लाशों का ढेर

झांसी। महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा वार्ड (एसएनसीयू) में भीषण आग लगने से 10 नवजात शिशुओं की झुलसने एवं दम घुटने से मौत हो गई। जिस वार्ड में आग लगी थी, वहां 55 नवजात भर्ती थे। 45 नवजात को सुरक्षित निकाल लिया गया। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष (एसएनसीयू) में शुक्रवार देर रात भीषण आग लगने से 10 नवजात की मौत हो गई। जिस वार्ड में आग लगी थी, वहां 55 नवजात भर्ती थे। हादसे की सूचना मिलते ही करीब 15 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। सेना को भी बुला लिया। रास्ता नहीं मिलने पर नवजातों को खिड़की के कांच तोड़कर बाहर निकाला गया। नवजातों को बचाने के लिए परिजन के बीच अफरातफरी मच गई। वे बच्चों को लेकर जाने लगे।

नवजातों को बचाने के लिए मची अफरातफरी

नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष (एसएनसीयू) से आग की लपटें बाहर आतीं देख परिजन चीखते वार्ड को ओर दौड़ पड़े। कई परिजन लपटों की परवाह किए बगैर अंदर जा घुसे। फायरकर्मियों ने उनको बाहर किया। अफरातफरी के बीच दमकलकर्मी वार्ड के भीतर पहुंच सके। उसके बाद वार्ड से भर्ती नवजात बाहर निकाले जाने लगे। नवजातों को बाहर निकालते ही कई परिजन बदहवास हाल में उनको उठाकर अपने साथ ले गए।

अधिकांश नवजातों के हाथ की स्लिप निकल गई

एसएनसीयू वार्ड में जन्म के बाद पीलिया, निमोनिया से पीड़ित नवजात रखे जाते हैं। महज चंद घंटे की उम्र होने के नाते पहचान के लिए इनके हाथ में सिर्फ मां के नाम की स्लिप अथवा पांव में रिबन लगी होती है लेकिन, आगजनी के बाद अफरातफरी में अधिकांश नवजातों के हाथ की स्लिप निकल गई। इनको बाहर निकाला गया तो इनके पास कोई पहचान चिह्न नहीं था। अधिकांश परिजनों को जो नवजात मिला, उसे उठाकर वह ले गए।

बच्चों को पागलों की तरह तलाशते रहे परिजन

कई मां–बाप रोते–बिलखते अपने बच्चे के लिए गुहार लगाते रहे। महोबा निवासी संजना, जालौन निवासी संतराम अपने बच्चों को पागलों की तरह तलाशते रहे। उनके नवजात उनको मिले ही नहीं। बच्चे के लापता होने पर मां–बाप डॉक्टर, कर्मी एवं अधिकारियों से गुहार लगाते रहे लेकिन, कोई भी जवाब नहीं मिला। रानी सेन नामक महिला ने देर रात बताया कि उनका तीन दिन का बच्चा नहीं मिल रहा है। रानी ने बताया कि उनकी देवरानी का नाम संध्या है, जिसके तीन दिन पहले बच्चा हुआ था। तबीयत बिगड़ने पर उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। आग लगने के बाद संध्या का बच्चा नहीं मिल रहा है।

लाशों के ढेर से नवजात तलाशते रहे परिजन

कई घरों में मन्नतों के बाद कुछ दिन पहले ही किलकारियां गूजीं थीं लेकिन, अब कलेजे पर पत्थर रखकर बाहर की ओर रखे शवों के बीच में से अपने नवजात तलाशने पड़ रहे थे। दमकलकर्मी अपने साथ जैसे ही नवजातों को बाहर लेकर आ रहे थे, परिजन उनको घेर लेते थे। बचाव कार्य के दौरान एक के बाद एक 10 लाशें बाहर निकली गई। इन लाशों में परिजन अपने नवजात को खोजते रहे। एक साथ इतने नवजातों की लाश जिसने भी देखी उसकी ही आंखें नम हो उठीं। पुलिस एवं प्रशासनकर्मी देर रात तक उनकी शिनाख्त करने की कोशिश में जुटे रहे। करीब 11.20 बजे तक राहत कार्य पूरे हो गए। सभी शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

मेडिकल कालेज में भीषण आग, 10 शिशुओं की मौत

झांसी के महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा वार्ड (एसएनसीयू) में भीषण आग लगने से 10 नवजात शिशुओं की झुलसने एवं दम घुटने से मौत हो गई। जिस वार्ड में आग लगी थी, वहां 55 नवजात भर्ती थे। 45 नवजात को सुरक्षित निकाल लिया गया। हादसे की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई। सेना को भी बुला लिया। सेना एवं दमकल की गाड़ियों ने आग बुझाने में मदद कीं। दस नवजात की मौत से अस्पताल परिसर में कोहराम मच गया। माता–पिता भी अपने बच्चों को बचाने की गुहार लगाते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुक्रवार रात करीब दस बजे वार्ड से धुआं निकलता दिखा। वहां मौजूद लोगों ने शोर मचाया। जब तक कुछ समझ पाते, आग की लपटें उठने लगीं। कुछ ही देर में आग ने वार्ड को अपनी जद में ले लिया। वहां भगदड़ मच गई। नवजात को बाहर निकालने की कोशिश हुई, पर धुआं एवं दरवाजे पर आग की लपट होने से नवजात समय पर बाहर नहीं निकाले जा सके। दमकल की गाड़ियों के पहुंचने पर शिशुओं को बाहर निकाला जा सका।

हादसे में मुआवजे का एलान, मृतकों के परिजन को पांच-पांच लाख तो घायलों को 50000 की आर्थिक मदद

झांसी मेडिकल कॉलेज हादसे में शिकार नवजातों के परिजनों को शासन द्वारा पांच–पांच लाख रुपयों की सहायता की घोषणा की गई है। घायलों के परिजनों को पचास–पचास हजार की सहायाता मिलेगी। सीएम ने कहा कि यह सहायता राशि जल्द से जल्द मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में हुई दुर्घटना पर गहरा दुःख जताया है। शुक्रवार देर रात घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री ने रातों–रात उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और प्रमुख सचिव स्वास्थ्य को मौके पर भेजा।

छात्रों की जिद के आगे झुका आयोग

चौथी बार स्थगित हुई यूपी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा, इससे पहले दो बार तिथियों में हुआ बदलाव

प्रयागराज। यूपीपीएससी पीसीएस परीक्षा दो दिन कराए जानें के विरोध में चल रहे प्रदर्शन पर सहमति बन गई है। कई घंटे चली बैठक के बाद आयोग ने छात्रों के पक्ष में फैसला लिया है। परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। एक दिन, एक पाली, नॉर्मलाइजेशन नहीं" की मांग के साथ शुरू हुए यूपीपीएससी के अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शन का आज चौथा दिन है। छात्रों की मांग को लेकर यूपी लोक सेवा आयोग में बृहस्पतिवार को महत्वपूर्ण बैठक समाप्त होते ही पीसीएस के अभ्यर्थियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। दरअसल, बैठक में छात्रों की मांग को मानने का निर्णय लिया गया।

ताजा जानकारी के अनुसार, प्रयागराज में प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी छात्रों की मांग के आगे उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग झुक गया है। वन शिफ्ट वन डे एग्जाम की मांग पर सहमति बन गई है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के सचिव ने घोषणा कर दी है। वन शिफ्ट वन डे एग्जाम की मांग मान ली गई है। बवाल काफी बढ़ने के बाद आयोग को यह फैसला करना पड़ा। आयोग के भीतर हुई बैठक में जिलाधिकारी, कमिश्नर समेत तमाम अधिकारी मौजूद रहे। कई घंटे चली बैठक के बाद आयोग ने छात्रों के पक्ष में फैसला लिया। छात्रों की मांग मानने के अलावा आयोग के पास कोई रास्ता नहीं था। छात्र एक ही मांग पर अड़े थे कि परीक्षा एक दिन एक ही शिफ्ट में कराई जाए। सात व आठ दिसंबर 2024 को होनी वाली पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 स्थगित कर दी गई है।

समय पर होती परीक्षा तो आ चुका होता अंतिम परिणाम

अगर पीसीएस–2024 की परीक्षा समय पर हो गई होती, तो अब तक इसका अंतिम परिणाम भी घोषित हो चुका होता। आयोग ने पीसीएस–2023 का चयन परिणाम प्रारंभिक परीक्षा के आयोजन से नौ माह के भीतर घोषित कर दिया था और पीसीएस–2024 के लिए आयोग की योजना आठ माह में परिणाम घोषित करने की थी लेकिन ऐसा नहीं हो सका। आयोग के आज के फैसले के बाद यह परीक्षा चौथी बार स्थगित हो चुकी है।

पहली बार कब स्थगित हुई परीक्षा?

शुरुआत में पीसीएस प्रारंभिक–2024 परीक्षा आयोग के कैलेंडर में 17 मार्च को होनी थी, लेकिन इससे पहले 11 फरवरी को हुई आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा में पेपर लीक होने से आयोग को कैलेंडर में शामिल पीसीएस सहित पांच परीक्षाएं स्थगित करनी पड़ गई थीं।

दूसरी बार तिथि घोषित होने भी नहीं पाई

पहली बार पीसीएस परीक्षा स्थगित होने पर इसे जून में प्रस्तावित किया गया, लेकिन समय पर परीक्षा नहीं कराई जा सकी।

तीसरी बार अक्तूबर में होनी निर्धारित हुई

इसके बाद पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा 27 अक्तूबर को प्रस्तावित की गई लेकिन पर्याप्त संख्या में केंद्र उपलब्ध नहीं हो पाने के कारण आयोग ने दो दिन 26 एवं 27 अक्तूबर को परीक्षा कराने के लिए प्रदेश के 51 जिलाधिकारियों से केंद्रों की सूची मांगी। हालांकि, आयोग ने अक्तूबर में प्रस्तावित पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को भी स्थगित कर दिया।

चौथी बार भी सीगित

अक्तूबर के बाद आयोग ने हाल ही में परीक्षा कैलेंडर जारी किया, जिसमें बताया गया कि परीक्षा 07 और 08 अक्तूबर को दो पालियों में आयोजित कराई जाएगी। कैलेंडर देखने के बाद छात्रों का गुस्सा फूट पड़ा और धरना प्रदर्शन किया गया। आयोग ने छात्रों के आगे झुकते हुए चौथी बार 14 नवंबर, 2024 परीक्षा को स्थगित करने का निर्णय सुनाया। हालांकि, परीक्षा की नई तिथियों की घोषणा अभी तक नहीं की गई है।

अपने पूर्व निर्णय के पक्ष में ये थे आयोग के तर्क

आयोग ने पीसीएस परीक्षा के लिए "एक दिन, एक पाली" की मांग को मान लिया है। हालांकि, आयोग की ओर से दो दिन परीक्षा कराने के निर्णय के पक्ष में निम्नलिखित तर्क दिए गए थेः

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की शुचिता एवं छात्रों के भविष्य को संरक्षित करने के उद्देश्य से परीक्षाएं केवल उन केंद्रों पर कराई जा रही हैं, जहां किसी प्रकार की कोई गड़बड़ियों की कोई संभावना नहीं है।

चयन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी एवं छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की गई है। देश के अन्य प्रतिष्ठित आयोगों तथा संस्थानों द्वारा भी इसी प्रक्रिया का पालन किया जाता है।

आयोग ने कहा कि पूर्व में दूर–दराज के परीक्षा केन्द्रों में कई प्रकार की गड़बड़ियां संज्ञान में आईं। योग्य छात्रों के भविष्य अनिश्चित्ता न बनें इसलिए संपूर्ण परीक्षा मेरिट के आधार पर संपन्न कराने के लिए इन केंद्रों को हटाया गया है।

यूपीपीएससी ने कहा कि सरकार एवं आयोग की मंशा छात्र हितों को संरक्षित करना एवं मेरिट के आधार पर चयन सुनिश्चित करना है। आयोग ने परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करने की महत्ता के दृष्टिगत अभ्यर्थियों के आग्रह पर ही परीक्षा आयोजन का दो पालियों में करने का निर्णय लिया।

आयोग ने कहा कि अभ्यर्थियों को परीक्षा देने दूर न जाना पड़े, इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की गई। आयोग ने कहा कि अराजक तत्वों, अवैध कोचिंग संस्थानों, नकल माफिया द्वारा प्रतियोगी छात्रों को भ्रामक जानकारी देकर बरगलाने का प्रयास किया जा रहा है। आयोग ने छात्रों को ऐसी सूचनाओं से सावधान रहने की सलाह दी।

यूपीपीएससी के सचिव अशोक कुमार ने यह भी कहा था कि छात्रों से यह भी कहा गया है कि उनके पास नॉर्मलाइजेशन का कोई फॉर्मूला हो तो बताएं, उस पर आयोग विचार करेगा। इसके लिए आयोग ने ईमेल आईडी भी जारी की।

पीसीएस प्री के लिए ही फिलहाल मानी गई मांग

पीसीएस प्री के लिए ही फिलहाल मांग मानी गई है। समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा के लिए बाद में निर्णय लिया जाएगा। उच्च स्तरीय कमेटी का गठन होगा। समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा के संबंध में कमेटी ही अगला निर्णय लेगी।

शौचालय में एक घंटे बंद रहा बुजुर्ग

चीख-पुकार सुन आए लोगों मुश्किल से निकाल–

गोरखपुर। अमवां गांव के बांके सिंह (88) सामुदायिक शौचालय में अपराह्न करीब तीन बजे गए थे। इसी दौरान शौचालय की केयर टेकर जावित्री देवी किसी काम से चली गईं। थोड़ी देर बाद केयर टेकर का बेटा शौचालय में ताला लगाकर घर निकल गया। बुजुर्ग को जानकारी हुई तो दरवाजा पीटने लगे। भटहट के अमवां में स्थित सामुदायिक शौचालय में एक बुजुर्ग शुक्रवार अपराह्न गए थे। इसी बीच भूलवश केयर टेकर शौचालय का ताला बंदकर घर चला गया। दरवाजा बंद देख बुजुर्ग ने करीब एक घंटे तक चिल्लाता रहे। आस–पास के लोग आवाज सुनकर पहुंचे तब शौचालय का ताला तोड़कर बाहर निकाला जा सका।

अमवां गांव के बांके सिंह (88) सामुदायिक शौचालय में अपराह्न करीब तीन बजे गए थे। इसी दौरान शौचालय की केयर टेकर जावित्री देवी किसी काम से चली गईं। थोड़ी देर बाद केयर टेकर का बेटा शौचालय में ताला लगाकर घर निकल गया। बुजुर्ग को जानकारी हुई तो दरवाजा पीटने लगे। करीब एक घंटे बाद अचानक बगल में धान एकत्र करने गए वाहिद ने चिल्लाने की आवाज सुनी। इसके बाद लोगों की मदद से बाहर निकाला गया।

दहशत में आ गए थे बुजुर्ग

शौचालय में बंद रहने के दौरान वह दहशत में आ गए थे। किसी तरह परिजन उन्हें पकड़कर घर ले गए। काफी देर बाद उनकी हालत सामान्य हुई। उन्होंने बताया कि अचानक उन्हें पेट में दर्द उठा तो वह शौचालय गए थे। यह भी कहा कि आज के बाद अब वह कभी बाहर शौचालय नहीं जाएंगे। परिजनों का कहना था कि घर पर भी शौचालय है।

सम्पादकीय

जलवायु सम्मेलन बड़े देशों पर निगाहें

अज़रबैजान की राजधानी बाकू में सीओपी–29 के नाम से जलवायु सम्मेलन हो रहा है जिसमें 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। 11 नवम्बर से प्रारम्भ हुआ सम्मेलन 22 तारीख तक चलेगा। 'कांफ्रेंस ऑफ द पार्टीज़' कहलाने वाले ऐसे सम्मेलनों की शुरुआत 1995 में जर्मनी की राजधानी बर्लिन से हुई थी। इस श्रृंखला में यह 29वां जमावड़ा है जिसमें सभी देश जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली समस्याओं के आकलन के साथ पृथ्वी का तापमान नियंत्रित करने के बारे में चर्चा करेंगे। भारत विकसित देशों की जिम्मेदारी तय करने का पक्षधर है। 20वीं शताब्दी के छठे व सातवें दशक में प्रदूषण घटाने तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर वैश्विक चिंताएं प्रकट हुई थीं लेकिन सघन एवं सामूहिक प्रयास 90 के दशक के आरम्भ से दिखे। तभी से जलवायु परिवर्तन की गम्भीरता की ओर दुनिया का अधिक ध्यान गया। माना गया कि यह बहुत चिंताजनक है जिस पर सामूहिक प्रयासों की ज़रूरत है। सीओपी के अलावा 'अर्थ समिट' जैसे विभिन्न मंचों से नीले ग्रह को गर्म होने से बचाने हेतु गम्भीर प्रयासों की ज़रूरत बतलाई जाती रही। राष्ट्रसंघ के कई सत्र भी इसे लेकर हो चुके हैं। सीओपी के पिछले सभी सम्मेलनों में अनेक प्रकार की बातें हुईं। बर्लिन के अलावा 1997 में जेनेवा (स्विटजरलैंड), 2005 में क्योटो (जापान), 2010 में कानकुन (मैक्सिको) और 2013 में वारसा (पोलैंड) में हुए सम्मेलन जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोकने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिहाज़ से अहम रहे, परन्तु मील का पत्थर साबित हुआ पैरिस (फ्रांस) में आयोजित 2015 का सीओपी 21 सम्मेलन। इसमें शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा गया तथा 196 देशों ने इसे समझौते के रूप में स्वीकार किया जो सभी देशों पर बाध्यकारी है।

जिस अमेरिका ने क्योटो सम्मेलन में इस समझौते पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था, उस पर 2020 में राष्ट्रपति बनते ही जो बाइडेन ने हस्ताक्षर कर दिये थे। उनके पूर्ववर्ती और अब पुनः राष्ट्रपति बन गये डोनाल्ड ट्रम्प का रुख इसे लेकर क्या होगा, यह देखना होगा क्योंकि वे दुनिया में प्रदूषण का ठीकरा विकासशील एवं अविकसित देशों पर फोड़ते रहे हैं। स्वयं बड़े कारोबारी होने के नाते वे विकसित तथा औद्योगिक देशों के पक्षधर माने जाते हैं। अन्य दो ताकतवार देश– चीन व रूस का रवैया भी इस विषय पर ढुलमुल रहा है क्योंकि इन दोनों ही देशों में उद्योग एवं व्यवसायों से बड़े पैमाने पर ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता है परन्तु वे इसे न्यायोचित बताते रहे हैं; और उनकी इस विषय पर आलोचना का साहस कम ही हो पाता है। जब तक बड़े और शक्तिशाली देश भी जलवायु परिवर्तन के कारकों पर ईमानदारीपूर्वक लगाम नहीं लगाते, दुनिया का तापमान कम करने के प्रयास अधूरे रहेंगे।

1990 की शुरुआत से लागू नयी वैश्विक अर्थप्रणाली से इस समस्या के तार तो जुड़े हुए हैं ही, अंतरराष्ट्रीय मतभेदों में भी यह विषय उलझकर रह गया है। पृथ्वी का तापमान न घटने के लिये विकसित एवं विकासशील देश परस्पर दोषारोपण कर जिम्मेदारी एक–दूसरे पर डाल रहे हैं। बहुत से विशेषज्ञ एवं पर्यावरणविद इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि प्रदूषण बढ़ने का प्रमुख कारण जीडीपी में वृद्धि की लालसा है। विकास के नाम पर की जा रही अनेक तरह की गतिविधियों में तीव्र कार्बन उत्सर्जन होता है जो तापमान बढ़ाने का प्रमुख कारक है। इतना ही नहीं, उत्पादन बढ़ाने हेतु किये जा रहे अनगिनत मानवीय उपक्रम ग्रीन हाउस प्रभाव को सतत बढ़ा रहे हैं। इस बढ़ते तापमान के परिणामों का दुनिया भली–भांति अनुमान लगाये बैठी है और उसके कारण जो त्रासदियां होंगी उस पर स्कूलों में सामाजिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भूगोल जैसे विषय पढ़ने वाले बच्चे तक वाकिफ़ हैं, परन्तु फिर भी यह विशेषज्ञों की बहसों का सबब बना हुआ है। माना जा रहा है कि जिस प्रकार से घरों में लगे करोड़ों की संख्या में एयर कंडिशनरों से लेकर विशालकाय उद्योग और बड़ी तादाद में दुनिया भर की सड़कों पर दौड़ते ईंधन वाले वाहनों से लेकर परमाणु बिजली संयंत्रों से पर्यावरण लगातार प्रदूषित हो रहा है, उससे यदि पृथ्वी का तापमान 3 डिग्री तक और बढ़ता है तो विश्व के ज्यादातर ग्लेशियर पिघल जायेंगे। इसके चलते विश्व भर में समुद्र के किनारे बसे 50 से अधिक शहर जल समाधि ले लेंगे।

इस सम्मेलन में अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होने जा रही है। इसमें प्रमुख है विकासशील देशों को वित्तीय मदद ताकि वे वातावरण में हो रहे परिवर्तन को रोकने के लिये विभिन्न उपायों पर खर्च कर सकें। जलवायु वित्त कार्य निधि (सीएफएएफ) के नाम से यह अंतरराष्ट्रीय कोष स्थापित होगा जिसका मुख्यालय बाकू में होगा। दूसरा मुद्दा है ग्रीन एनर्जी ज़ोन एंड कॉरिडोर स्थापित करना। इसके तहत निवेश को बढ़ावा देते हुए आर्थिक विकास की गति बढ़ाने के उपाय होंगे। बुनियादी अधोरचना, आधुनिकीकरण, विस्तार आदि के जरिये क्षेत्रीय सहयोग को प्रोत्साहित किया जायेगा। ऊर्जा भंडारण की वैश्विक क्षमता को बढ़ाने के नये लक्ष्य तय किये गये हैं। 2022 की स्थापित क्षमता को 6 गुना बढ़ाकर 1500 गीगावाट तक बढ़ाया जायेगा। 2040 तक 80 मिलियन किलोमीटर को ऊर्जा ग्रिड के तहत लाने का लक्ष्य है। स्वच्छ हाइड्रोजन, ग्रीन डिजिटल एक्शन आदि इस सम्मेलन के एजेंडा में हैं। भारत अपना पक्ष 18–19 नवम्बर को रखेगा जिसकी इस विषय को लेकर अपनी ही चिंताएं और अपेक्षाएं हैं। वह भी विकसित देशों की जिम्मेदारी तय करने का पक्षधर है। वैसे वैश्विक मंचों पर भारत चाहे जो कहे, उसे स्वयं अपने स्तर पर यानी देश के भीतर जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिये ईमानदार पहल करने की आवश्यकता है। भारत दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में से एक है. फिलहाल राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग इस प्रदूषण का कहर झेल रहे हैं।

सलमान–संतोष की अनूठी दोस्ती

नपे–तुले शब्दों में डीएसपी संतोष पटेल ने सब्जी विक्रेता सलमान के लिए अपनी कृतज्ञता भी प्रकट की और एक मिसाल उन तमाम लोगों के लिए कायम कर दी, जो संघर्ष कर के आगे बढ़ते हैं, दूसरों के कंधों को सीढ़ियों की तरह इस्तेमाल करते हैं, मगर जब उन्हें मंजिल मिल जाती है, तो फिर संघर्ष के अपने साथियों और मददगारों को पहचानते भी नहीं हैं। संतोष पटेल और सलमान खान की इस अनूठी दोस्ती की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हुई। हाल ही में एक दिलचस्प खबर देखने और पढ़ने मिली, जिससे कई और प्रसंग याद आ गए। मध्यप्रदेश में डीएसपी संतोष पटेल ने एक वीडियो अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स पर डाला और लिखा– ये हैं सलमान ख़ान जो कि भोपाल के अप्सरा टॉकीज इलाके में सब्जी का ठेला लगाते हैं। वर्ष 2009 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने गये थे तो सब्ज़ी भाजी ख़रीदते वक्त इनसे मुलाकात हुई थी। ये भाई हमारी भावनाओं को समझकर रात को ठेले उठाते वक्त सब्ज़ी भाजी दे दिया करते थे। जेब में जितने रुपये होते थे इतने में ही सलमान भाई खुश हो जाते थे और कई बार उधार कर लेते थे और अनेक बार भटा, टमाटर फ्री में दिये। 14 साल बाद जब अचानक पुलिस की गाड़ी के पास बुलाया तो सलमान हल्का सा डरा हुआ महसूस कर रहा था लेकिन वो पहचान गया था। मुलाक़ात हुई तो हम दोनों को बहुत अच्छा लगा। बुरे समय में जिन्होंने साथ निभाया, उन्हें भुलाना किसी पाप से कम नहीं है। इतना ही कहता हूं कि बंदे में एक दोष न हो, बंदा एहसान फ़रामोश न हो। संघर्ष के दिनों में साथ निभाने वालों के लिए वादा करता हूं कि हम वो नहीं जो मुश्किलों में आपका साथ छोड़ दें, हम वो हैं ज़रूरत पड़ी तो आपकी सांसों से अपनी सांसें जोड़ दें।

नपे–तुले शब्दों में डीएसपी संतोष पटेल ने सब्जी विक्रेता सलमान के लिए अपनी कृतज्ञता भी प्रकट की और एक मिसाल उन तमाम लोगों के लिए कायम कर दी, जो संघर्ष कर के आगे बढ़ते हैं, दूसरों के कंधों को सीढ़ियों की तरह इस्तेमाल करते हैं, मगर जब उन्हें मंजिल मिल जाती है, तो फिर संघर्ष के अपने साथियों और मददगारों को पहचानते भी नहीं हैं। संतोष पटेल और सलमान खान की इस अनूठी दोस्ती की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हुई, बहुत से लोगों ने उनकी मुलाकात के वीडियो को शेयर किया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि संतोष पटेल बेहद सहजता से सलमान खान से पूछते हैं कि मुझे पहचानते हो, और सलमान खान कहते हैं, क्यों नहीं पहचानेंगे। दरअसल संतोष पटेल सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और सलमान खान उनकी खबर सोशल मीडिया के जरिए ही रखते थे कि वे कहां हैं और क्या कर रहे हैं। लेकिन उन्हें इस बात की उम्मीद शायद नहीं रही होगी कि कभी इस तरह श्री पटेल उनसे मिलने पहुंच जाएंगे। हालांकि जब सलमान खान ने अपने ठेले के सामने पुलिस की गाड़ी देखी तो एकबारगी वे घबरा गए, मगर फिर संतोष पटेल को देखकर उनकी घबराहट चली गई। आज प्रेमचंद होते तो शायद संतोष और सलमान की मित्रता पर गुल्ली–डंडा जैसी कोई और मशहूर कहानी लिखते। पाठक जानते हैं कि गुल्ली–डंडा कहानी में बचपन के साथियों के बड़े होकर फिर से मिलने और खेलने का सुंदर चित्रण प्रेमचंद ने किया है, जिसमें सामाजिक और आर्थिक ओहदा दोस्ती पर भारी पड़ता हुआ दिखता है। इस कहानी में नायक जब बचपन के साथी गया से फिर मिलता है तो मन में सोचता है कि मैं उसकी ओर लपकना चाहता था कि उसके गले लिपट जाऊं, पर कुछ सोचकर रह गया. बोला–कहो गया, मुझे पहचानते हो?

गया ने झुककर सलाम किया–हां मालिक, भला पहचानूंगा क्यों नहीं!

कहानी की ये पंक्तियां संतोष पटेल और सलमान खान की मुलाकात में चरितार्थ हुई हैं। फर्क इतना ही है कि संतोष पटेल ने सलमान खान को बिना झिझके गले लगा लिया और दोनों के बीच एक सरकारी अफसर और सब्जी विक्रेता के ओहदे का फर्क होने के बावजूद पुराने रिश्तों की गर्माहट दिखी। 2017 में मप्र लोकसेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद डीएसपी बने संतोष पटेल ने 2009 से लेकर 2013 तक भोपाल में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। उस समय कई बार उनके पास पैसे नहीं होते थे, ऐसे में सलमान खान रात को दुकान समेटते समय बैंगन और टमाटर मुफ्त में दे दिया करते थे। संतोष पटेल के मुताबिक सलमान खुद गरीब थे, लेकिन मुझे मुफ्त में सब्ज़ियां दिया करते थे। पढ़ाई पूरी करने और डीएसपी बन जाने के बाद उनका काम के सिलसिले में भोपाल आना हुआ तो वे पुरानी यादों को ताजा करने और खास तौर पर सलमान खान को तलाशने के लिए अप्सरा टॉकीज के पास के इलाके में आए और यहां उनकी तलाश पूरी भी हुई।

आज के दौर में जब जीवन से अपनापन, सहजता, निस्वार्थ रिश्ते गायब होते जा रहे हैं, तब संतोष–सलमान की इस जीवंत कथा को उम्मीद की तरह देखा जाना चाहिए। इस प्रकरण से ललित सुरजन जी (मेरे पिता) का सुनाया एक वाकया याद आ गया कि तंगी के दिनों में उनके मित्र एडव्होकेट जमालुद्दीन की मां ने दीवाली पर दिए जलाने और मिठाई खरीदने के लिए उन्हें पैसे दिए थे, जबकि रायपुर की चूड़ी लाइन में खुद उनकी छोटी सी दुकान थी। इसी तरह जमाल चाचा की बेटी की शादी का अवसर आया, तो कार्ड में जमाल चाचा ने बाबूजी (स्व.मायाराम सुरजन) का नाम डलवाया, क्योंकि वे उन्हें घर का बुजुर्ग मानते थे। अपनी बेटी के साथ–साथ जमाल चाचा ने एक अनाथ लड़की का विवाह भी संपन्न करवाया था। मुझे यकीन है कि हमारे घर ही नहीं, हिंदुस्तान के हजारों–लाखों घरों में ऐसे प्रसंग पीढ़ी दर पीढ़ी सुनाए, बताए जाते रहे होंगे। कृष्ण–सुदामा से लेकर गुल्ली–डंडा और सलमान–संतोष की कहानी तक में सदियों से सांस लेते भारत को महसूस किया जा सकता है। गंगा–जमुनी सभ्यता केवल मुहावरा नहीं है, यही हिंदुस्तान का सच भी है। मगर अब इसमें कागज दिखाने, कपड़ों से पहचान करने और दुकानों पर नाम लिखने की राजनीति हावी की जा रही है। लव जिहाद, जमीन जिहाद, आर्थिक जिहाद, शिक्षा जिहाद, वोट जिहाद की नफरती सोच समाज में भरने की सायास कोशिशें हुई हैं। इसका विस्तार बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे, सेफ रहेंगे तक किया जा चुका है। अखिलेश यादव ने बिल्कुल सही कहा है कि बंटेंगे तो कटेंगे सबसे नकारात्मक नारा है और इतिहास में यह निकृष्टतम नारे के तौर पर दर्ज होगा। राहुल गांधी ने भी मंगलवार को गोंदिया की अपनी सभा में लव यू वाले नारे और इसके पीछे की राजनीति का खुलासा करते हुए कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के वक्त नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान का नारा निकला था। राहुल गांधी के मुताबिक राजनीति में सिर्फ नफरत, हिंसा और गुस्सा ये चीजें फैलाई जा रही थीं। इसलिए हमने सोचा कि अगर दूसरी साइड ने नफरत का ठेका ले रखा है, तो हम मोहब्बत का ठेका ले लेते हैं। उसमें फायदा भी है। नफरत में भाई भाई से लड़ता है, नफरत को नफरत नहीं काट सकती है। कोई आपसे नफरत करता है, आप उससे जाकर और नफरत करो, तो बात नहीं कटती लेकिन कोई भी आपसे नफरत करें और आपने उसे मोहब्बत दिखा दी, में नफरत खत्म हो जाती है। यह कांग्रेस पार्टी की सोच है, महात्मा गांधी की सोच है। राहुल गांधी का यह भाषण भले चुनावी मंच से दिया गया, लेकिन असल में इसमें भारत के विचार का दर्शन होता है। वो दर्शन जिसे गांधीजी ने दुनिया के सामने रखा और आज उस पर न चलने का नुकसान भी देखा जा रहा है। राजनीति के जरिए नफरत और हिंसा को बढ़ाने का खामियाजा अंततः समाज भुगत रहा है, क्योंकि आपसी प्रेम और सौहार्द्र की जगह शक ने ले ली है। लेकिन इस वक्त भी सलमान खान और संतोष पटेल जैसे लोग समाज में मौजूद हैं, जो नेकी, भाईचारे, कृतज्ञता और दोस्ती जैसे शब्दों को चरितार्थ कर रहे हैं।

वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक 2024' की रिपोर्ट में 180 देशों में भारत को 176 वें स्थान पर रखा गया है

विकास कार्य के लिए जंगल कट रहे हैं, उनके स्थान पर हुए पौधारोपण को जंगल मान लिया गया है। पर्यावरणविद एवं 'विधि सेंटर फॉर लीगल पालिसी' में 'जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र' के लीडर देबादित्यो सिन्हा का कहना है कि सिर्फ पौधारोपण करने से जंगल का निर्माण नहीं हो सकता। प्राकृतिक वनों में वनस्पतियों की कम–से–कम तीन परतें होती हैं, जिसमें सबसे नीचे आता है 'वन तल' जो कि मिट्टी एवं जडी–बूटियों से बना होता है। वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक 2024' की रिपोर्ट में 180 देशों में भारत को 176 वें स्थान पर रखा गया है। भारत का सबसे निचले स्थान पर होना मुख्यरूप से अकुशल भूमि–प्रबंधन और जैव–विविधता पर बढ़ते खतरों के कारण है। हम एक ऐसे समय में रह रहे हैं जब संपूर्ण पारिस्थितिकी विनाश की संभावना के बारे में चर्चा करना जरूरी है, लगभग उसी संदर्भ में जैसे परमाणु हथियारों के आलोचकों ने अक्सर पूर्ण परमाणु विनाश की संभावना का उल्लेख किया है। हमारी वर्तमान सामाजिक व्यवस्था, मानव स्वतंत्रता और प्रकृति के साथ मानवीय संबंध के यांत्रिक दृष्टिकोण में उलझी हुई है, जो सीधे तौर पर पारिस्थितिक अनिवार्यता के विपरीत है। भारत की बात करें तो इंग्लैंड स्थित 'यूटिलिटी बिडर' की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीस वर्षों में 6,68,400 हेक्टेयर जंगल देश ने खो दिया है। वर्ष 1990 से 2020 के बीच वनों की कटाई की दर में भारत दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश के रूप में उभरा है। भारत सरकार द्वारा वन क्षेत्र में वृद्धि के बावजूद, 'ग्लोबल फारेस्ट वाच' जैसे अन्तरराष्ट्रीय संगठनों ने रिपोर्ट दी है कि भारत ने 2001 से 2023 के बीच 23300 वर्ग किलोमीटर वृक्ष–क्षेत्र खो दिया है। 'ग्लोबल फारेस्ट वाच' ने यह भी बताया है कि 2013 से 2023 तक 95 प्रतिशत वनों की कटाई प्राकृतिक वनों में हुई है। बेंगलुरु के 'टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च' के डाक्टर एमडी मधुसूदन ने बताया कि आमतौर पर नक्शे सार्वजनिक नहीं होते, परन्तु 'जियो स्पेशल डेटा नीति' के बाद 'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना' के लिए नक्शे सार्वजनिक हुए। देहरादून स्थित 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग' ने 1999 से 2019 के दौरान असम के सोनीतपुर में 34,400 हेक्टेयर वनक्षेत्र कम होने की जानकारी दी थी, जबकि इसी दौरान 'फारेस्ट सर्वे रिपोर्ट' में वहां 33,800 हेक्टेयर वनक्षेत्र बढ़ा बताया गया। मधुसूदन के मुताबिक जब सोनितपुर के डिजिटल नक्शे को जूम किया गया तो पता चला कि जिस इलाके को फोरेस्ट दिखाया गया है, वह चाय बागान है।

तमिलनाडु के कोयंबटूर के वेलापरई में चाय बागानों को भी फारेस्ट कवर दिखाया गया है। लक्षद्वीप का 95 फीसदी इलाका फारेस्ट कवर है, जबकि वहां नारियल के पेड़ हैं और उनके बीच घनी आबादी बसी है। दिलचस्प तो यह है कि जैसलमेर के मरुस्थली इलाके को फारेस्ट कवर दिखाया गया है, जबकि वहां रेगिस्तानी झाड़ियां थीं। दिल्ली के लुटियन–जोन का कुछ हिस्सा भी 'फारेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया' के नक्शे में फारेस्ट कवर है।

'सेंटर फॉर साइंस एंड इन्वायरमेंट' (सीएसई) की महानिदेशक सुनीता नारायण कहती हैं कि 'स्टेट ऑफ फारेस्ट रिपोर्ट– 2021' के मुताबिक देश में 1.6 लाख हेक्टेयर (0. 2प्रतिशत) वन क्षेत्र बढ़ा है। देश में 7.753 करोड़ हेक्टेयर वन भूमि है जिस पर 5.166 करोड़ हेक्टेयर फारेस्ट कवर है। बचे 2.587 करोड़ हेक्टेयर (34प्रश) वन–भूमि का क्या हुआ, उसका कोई जिक्र नहीं है। विकास कार्य के लिए जंगल कट रहे हैं, उनके स्थान पर हुए पौधारोपण को जंगल मान लिया गया है। पर्यावरणविद एवं 'विधि सेंटर फॉर लीगल पालिसी' में 'जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र' के लीडर देबादित्यो सिन्हा का कहना है कि सिर्फ पौधारोपण करने से जंगल का निर्माण नहीं हो सकता। प्राकृतिक वनों में वनस्पतियों की कम–से–कम तीन परतें होती हैं, जिसमें सबसे नीचे आता है 'वन तल' जो कि मिट्टी एवं जडी–बूटियों से बना होता है। इसके बाद झाड़ियां और फिर आते हैं पेड। वन–तल एवं झाड़ीनुमा वनस्पति की सबसे अहम भूमिका होती है। केवल पेड़ों की संख्या पर निर्भर रहना मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र की जटिल संरचना और प्राकृतिक संतुलन की उपेक्षा करता है। 'राष्ट्रीय वन नीति' का लक्ष्य पर्यावरणीय स्थिरता और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए मैदानी क्षेत्रों में 33.3 प्रतिशत और पहाड़ी क्षेत्रों में 66.6 प्रतिशत भूमि को वनाच्छादित करना है। भारत 17 विशाल जैव–विविधता वाले देशों में से एक है। यहां दुनिया की 12 फीसद जैव–विविधता है। यह समृद्ध जैव–विविधता पारिस्थितिकी संतुलन, पोषण–चक्र और जलवायु विनियमन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत के 27.5 करोड़ लोगों की आजीविका को सहारा देती है, जो वन–संसाधनों पर निर्भर हैं। देश के 10 जैव–भौगोलिक क्षेत्रों में 1,03,258 से अधिक जीव–जंतुओं और 55,048 से अधिक वनस्पतियों की प्रजातियां दर्ज की गई है। जैव–विविधता भारत की जलवायु परिवर्तन के शमन और अनुकूलन (मिटिगेशन एंड एडॉप्टेशन) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 'लोक लेखा समिति' की रिपोर्ट के अनुसार 'पर्यावरण और वन मंत्रालय' 45000 पौधों और 51000 जानवरों की प्रजातियों की पहचान करने के बावजूद? जैव–विविधता संरक्षण के मोर्चे पर विफल रहा है।

भारत में गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा से शुरू होकर गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल के बाद कन्याकुमारी तक जाने वाले 1600 किलोमीटर लंबे इलाके को 'पश्चिमी घाट पर्वत श्रृंखला' कहा जाता है। वर्ष 2010 में पर्यावरणविद् प्रो. माधव गाडगिल की अध्यक्षता में गठित 'पश्चिमी घाट इकालॉजी एक्सपर्ट पैनल' ने इस संपूर्ण क्षेत्र को पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र का दर्जा दिया था और यहां सीमित खनन का पक्ष लिया था। हालांकि, पेड़ काटने, खनन और अतिक्रमण के कारण 'पश्चिमी घाट' के पारिस्थितिकी तंत्र पर विपरीत असर पड़ रहा है। गोवा में 2007 से 2011 तक करीब पैंतीस हजार करोड़ रुपये का अवैध खनन किया गया। 'इसरो' के अध्ययन के अनुसार 1920– 2013 में 'पश्चिमी घाट' का 35 फीसद क्षेत्र नष्ट हो चुका है।

अखिलेश ने छात्रों का किया समर्थन

बोले– ये भाजपा की महाभूल है, आप सांसद ने भी दिया बयान

लखनऊ,संवाददाता। प्रयागराज में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व अन्य दलों के नेताओं ने समर्थन किया है और भाजपा सरकार को निशाने पर लिया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज सहित विभिन्न शहरों में पीसीएस, आरओ व एआरओ परीक्षा एक ही दिन में कराए जाने और नॉर्मलाइजेशन निरस्त करने की मांग कर रहे छात्रों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार अगर ये सोच रही है कि वो छात्रों के आंदोलन को खत्म कर देगी तो ये उसकी महाभूल है। आंदोलन तन से नहीं मन से लड़े जाते हैं और अभी तक वो ताकत दुनिया में नहीं बनी जो मन को हिरासत में ले सके। उन्होंने कहा कि जुड़ेंगे तो जीतेंगे! एक्स पर उन्होंने बयान दिया कि भाजपा की अहंकारी सरकार अगर ये सोच रही है कि वो इलाहाबाद में यूपीपीएससी के सामने से आंदोलनकारी अभ्यर्थियों को हटाकर, युवाओं के अपने हक के लिए लड़े जा रहे लोकतांत्रिक आंदोलन को खत्म कर देगी, तो ये उसकी 'महा–भूल' है। आंदोलन तन से नहीं मन से लड़े जाते हैं और अभी तक वो ताक़त दुनिया में नहीं बनी जो मन को हिरासत में ले सके। जुड़ेंगे तो जीतेंगे! वहीं, आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी छात्रों के समर्थन में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन की बात करने वाले पीसीएस, आरओ और एआरओ परीक्षा एक दिन में कराये जाने की मांग पर बेरोजगारों को पीट–घसीट रहे हैं। अंधभक्त आपको गालियां देते हैं वो भूल जाते हैं ये बेरोजगारी की मार झेलने वाले बेटे–बेटियां भी हिंदू हैं। भाजपा का नफरती जहर आपकी जिंदगी बर्बाद कर देगा।

UP पुलिस का सिपाही बना दूल्हा, वरमाला के बाद की ऐसी हरकत...

उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में यूपी पुलिस के सिपाही की शादी वरमाला के बाद टूट गई। वजह हैरान कर देने वाली है। गाजियाबाद में तैनात सिपाही की बरात थाना खंदौली क्षेत्र के एक गांव में आई थी। बताया गया है कि धूमधाम से बरात निकली। इसके बाद वरमाला का कार्यक्रम हो गया, लेकिन जब बात सात फेरों की आई तो सिपाही दूल्हे ने हंगामा कर दिया। वो दहेज में 30 लाख रुपये की मांग को लेकर जिद पर अड़ गया। आरोप है कि वह फेरों के लिए राजी नहीं हुआ।

बरेली में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अनीस अंसारी के खिलाफ पार्टी की ही महिला पदाधिकारी ने मोर्चा खोल दिया है। पिछले दिनों महिला ने अनीस अंसारी और उनके दो साथियों पर यौन शोषण करने का आरोप लगाकर एसएसपी कार्यालय में शिकायत की थी। मामले में एसपी सिटी ने जांच शुरू कर महिला के बयान दर्ज किए, लेकिन अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है। इस पर महिला नेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और वीडियो डालकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इंसाफ की गुहार लगाई है।

'योगी भाईजान...मुझे इंसाफ दिलाएं', भाजपा की महिला पदाधिकारी ने CM से लगाई गुहार

फर्जी नियुक्तिः महिला का दावा– नौकरी का मुझे पता नहीं

दो महिलाओं के पत्र में दर्शाया पता ही अब 'लापता'

गोरखपुर। 11 नवंबर को जारी नियुक्ति पत्र पर जिस कुमारी शशिकला पुत्री रामचंद मौर्या निवासी बर्डपुर सिद्धार्थनगर का है। इनके नंबर पर कॉल किया गया तो पता लगा कि इन्होंने कहीं नौकरी के लिए आवेदन ही नहीं किया है। इनकी इलेक्ट्रानिक्स की दुकान है और घरवालों को अभी तक इसकी जानकारी नहीं है। सीएमओ के फर्जी हस्ताक्षर से गोरखपुर के विभिन्न सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जो नियुक्तियां की गई हैं, उनकी कहानी और पेचिदा होती जा रही है। सिद्धार्थनगर की एक महिला को इस नियुक्ति के बारे में पता ही नहीं है, जबकि नियुक्ति पत्र पर सबसे पहला नाम उसी का ही है। वहीं, कुशीनगर की दो महिलाओं के नाम व पते नियुक्ति पत्र पर जो दर्शाए गए हैं, वे वहां मिल नहीं रही हैं। नियुक्ति पत्र पर प्रदर्शित एक अस्पताल का नाम भी गलत दर्ज है। वहीं महराजगंज के युवक से पांच लाख रुपये ले लिए गए। अब परिवार वाले परेशान हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत किसी जालसाज ने तीन अलग–अलग नियुक्ति पत्रों पर 13 लोगों की तैनाती बतौर फॉर्मासिस्ट कर दी थी। इसकी जानकारी होने पर सीएमओ ने मंगलवार को सभी सीएचसी–पीएचसी प्रभारियों को पत्र भेजकर स्पष्ट कर दिया कि यह नियुक्ति पत्र फर्जी है।

इस पर उनके फर्जी हस्ताक्षर भी किए गए हैं। इस पत्र पर प्रदर्शित किसी को कहीं ज्वाइन न कराया जाए। इसके बाद शाम को एडिशनल सीएमओ की तरफ से मामले में कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ केस भी दर्ज कराया गया। इस नियुक्ति पत्र पर प्रदर्शित नामों की बुधवार को पड़ताल की गई तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। कुशीनगर के डुमरी गांव की पुनीता चौहान पुत्री पारसनाथ का नाम 26 अक्तूबर को जारी नियुक्ति पत्र पर सबसे पहले है। इन्हें एक नवंबर तक अपनी तैनाती स्थल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवां में ज्वाइन करना था। लेकिन डुमरी में पुनीता नाम की कोई लड़की नहीं मिली। गांव वालों को इस नाम की लड़की के बारे में कोई जानकारी नहीं है। खजनी में नियुक्ति पाने वाली कुशीनगर के ही कप्तानगंज नगर पंचायत की रहने वाली अनुप्रिया दुबे का भी पता नहीं लगा। 11 नवंबर को जारी नियुक्ति पत्र पर जिस कुमारी शशिकला पुत्री रामचंद मौर्या निवासी बर्डपुर सिद्धार्थनगर का है। इनके नंबर पर कॉल किया गया तो पता लगा कि इन्होंने कहीं नौकरी के लिए आवेदन ही नहीं किया है। इनकी इलेक्ट्रानिक्स की दुकान है और घरवालों को अभी तक इसकी जानकारी नहीं है।

छह माह पहले गोरखपुर के युवक ने लिए थे पांच लाख रुपये

महराजगंज के निचलौल क्षेत्र अंतर्गत बहरौली गांव निवासी शादाब अली को 26 अक्तूबर को जारी पत्र में सीएचसी भटहट में तैनाती दर्शाई गई है। शादाब के पिता लतीफ ने बताया कि करीब छह माह पहले एक करीबी व्यक्ति के माध्यम से गोरखपुर के रहने वाले एक शख्स से मुलाकात हुई। उस दौरान बेटे शादाब अली का स्वास्थ्य विभाग में फॉर्मासिस्ट के पद पर नौकरी लगवाने के लिए झांसा दिया। उसने कई किस्तों में करीब पांच लाख रुपये भी लिए। समय समय पर नौकरी से संबंधित प्रक्रिया पूरी होते देख उन्हें जालसाजी की आशंका नहीं हुई। क्योंकि बेटे का फॉर्मासिस्ट पद के लिए नियुक्त पत्र भी जारी हो गया था, लेकिन बाद में सूचना मिली की नियुक्ति पत्र फर्जी है। बेटे की नौकरी लगवाने के लिए कर्ज और कुछ सामान गिरवी रखकर रकम दी है।

सर्वर डाउन– अब भी 65 हजार विद्यार्थी 'समर्थ' पर अपंजीकृत, उलझन में छात्र–छात्राएं

संवाद न्यूज एजेंसी, गोरखपुर। समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों के छात्र–छात्राओं के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। समर्थ पर पंजीकरण की अंतिम तिथि 14 नवंबर निर्धारित है। इससे पहले 12 की शाम से ही सर्वर डाउन चल रहा है। इसके कारण कुल पंजीकृत 2.65 लाख विद्यार्थियों में से करीब 65 हजार विद्यार्थी अब भी पंजीकृत नहीं हो सके हैं। डीडीयू प्रशासन फिर तिथि विस्तारित करने पर विचार कर रहा है। परीक्षाएं भी अब 25 की बजाय 28 नवंबर से हो सकती हैं।शासन के निर्देशानुसार डीडीयू और कॉलेजों के सभी विद्यार्थियों को केंद्र सरकार के पोर्टल 'समर्थ' पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। डीडीयू में इसे लेकर लंबे समय से कवायद चल रही है। हाल के दिनों में कई बार तिथि भी विस्तारित की गई लेकिन अलग–अलग वजहों से यह समस्या बनी हुई है। इसे लेकर बुधवार को भी छात्र–छात्राओं से लेकर कॉलेजों के कर्मचारी तक परेशान दिखे। सूत्रों के मुताबिक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 28 नवंबर से कराने की तैयारी है। उसी हिसाब से समय–सारिणी तैयार की जा रही है। राजभवन से पटेल जयंती पर आयोजित कार्यक्रम 25 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद 26 और 27 को भी कई कार्यक्रम हैं। इसे देखते हुए 28 नवंबर से परीक्षाएं शुरू होंगी।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे

81 लाख की रायल्टी का गबन

उद्घाटन के पहले फर्म धोखाधाड़ी का शिकार

गोरखपुर। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे के निर्माण का ठेका लखनऊ की एपको फर्म को मिला है। फर्म ने विभिन्न जगहों से निर्माण सामग्री बालू, मोरंग, गिट्टी और ईंट मंगाईं। फर्म ने पेमेंट कराने के लिए वर्ष 2020 से 24 तक निर्माण सामग्री के रॉयल्टी पेपर भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय उत्तर प्रदेश पोर्टल पर अपलोड किए। तब पता चला कि सभी रॉल्यटी पेपर का पेमेंट पहले ही हो चुका है।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे बनाने वाली फर्म से 81 लाख रुपये की रॉयल्टी के गबन का मामला सामने आया है। एपको फर्म के वरिष्ठ महाप्रबंधक ने शिकायत की है। इसके बाद केस की जांच एसएसपी ने साइबर थाने को सौंपी है। साइबर थाने की पुलिस ने जांच शुरू कर फर्म के कुछ कर्मचारियों से पूछताछ की है। अब शिकायतकर्ता से पुलिस पूछताछ करेगी।

दरअसल, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे के निर्माण का ठेका लखनऊ की एपको फर्म को मिला है।

फर्म ने विभिन्न जगहों से निर्माण सामग्री बालू, मोरंग, गिट्टी और ईंट मंगाईं। फर्म ने पेमेंट कराने के लिए वर्ष 2020 से 24 तक निर्माण सामग्री के रॉयल्टी पेपर भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय उत्तर प्रदेश पोर्टल पर अपलोड किए। तब पता चला कि सभी रॉल्यटी पेपर का पेमेंट पहले ही हो चुका है। यह जानकर फर्म के जिम्मेदारों के होश उड़ गए। फर्म के वरिष्ठ महाप्रबंधक ने लोक शिकायत निदेशालय में शिकायत दर्ज कराई। शिकायती पत्र डीएम के यहां पहुंचा। डीएम ने जांच–पड़ताल कर कार्रवाई करने के लिए शिकायत पत्र एसएसपी को भेजा है।

पुलिस को सौंपे दो हजार रायल्टी नंबर

कहीं से भी सामान लोड करने पर बिल देने के बाद वहां रॉयल्टी पेपर मिलता है। इसे निर्माण कराने वाली फर्म बिल के साथ लगाकर पेमेंट कराती है।

सिर में गोली मारकर हत्या

गोरखपुर में डिलीवरी ब्वाय शाम को घर से निकला, सुबह मिला शव– पुलिस जांच में जुटी

इससे हत्यारों की जघन्यता साफ नजर आती है। शव मिलने के बाद मौके पर पुलिस और फॉरेंसिक की टीम भी पहुंच गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद फोरेंसिक विभाग ने मौके से बाइक व कुछ अन्य जगहों से नमूने एकत्र किए हैं। जानकारी के मुताबिक, धीरेंद्र दूबे एक ऑनलाइन फूड की कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के पद पर काम करता था। रोजाना सुबह से लेकर शाम तक शहर में बुकिंग के आधार पर खाने की डिलीवरी करता था।

गोरखपुर। धीरेंद्र दूबे एक ऑनलाइन फूड की कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के पद पर काम करता था। रोजाना सुबह से लेकर शाम तक शहर में बुकिंग के आधार पर खाने की डिलीवरी करता था। बुधवार की शाम को धीरेंद्र घर से निकला था। लेकिन, कहां जा रहा, ये किसी को नहीं बताया था। देर रात तक धीरेंद्र घर नहीं लौटा तो इंतजार कर परिजन सो गए। सुबह धीरेंद्र के शव मिलने की सूचना घर पहुंची तो परिजन बेसुध हो गए।

बृहस्पतिवार की सुबह गोरखपुर में दो हत्या के मामले सामने आ गए। पहले सहजनवा थाना क्षेत्र के भिटहा गांव में सुबह टहलने गए लोगों ने खेत किनारे पड़े शव को देखा। पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान सीहापार के धीरेंद्र दूबे(32) के रुप में की। युवक के सिर में सटा कर गोली मारी गई थी।

इससे हत्यारों की जघन्यता साफ नजर आती है। शव मिलने के बाद मौके पर पुलिस और फॉरेंसिक की टीम भी पहुंच गई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के बाद फोरेंसिक विभाग ने मौके से बाइक व कुछ अन्य जगहों से नमूने एकत्र किए हैं। जानकारी के मुताबिक, धीरेंद्र दूबे एक ऑनलाइन फूड की कंपनी में डिलीवरी ब्वॉय के पद पर काम करता था। रोजाना सुबह से लेकर शाम तक शहर में बुकिंग के आधार पर खाने की डिलीवरी करता था।

देर रात तक धीरेंद्र घर नहीं लौटा तो इंतजार कर परिजन सो गए। सुबह भिटहा गांव के पास स्थानीय लोग टहलने निकले थे। उन्होंने धीरेंद्र का खून से लथपथ शव देखा और पास में ही खड़ी एक दो पहिया गाड़ी भी। इसपर नंबर नहीं लगा था। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

धीरेंद्र अपने परिवार में सबसे छोटा था और उसके पिता घर पर ही खेती–बाड़ी का काम करते हैं। सहजनवा थाना प्रभारी विशाल उपाध्याय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। इसके अलावा थाना हरपुर बुदहट क्षेत्र के छपिया गांव में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है। संगीता पत्नी रविन्द्र यादव की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। हत्या कर महिला के शव को खेत में फेंक दिया गया था। पुलिस मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुटी है।

नहीं सताएगी डीजे की धुन

देर रात तक मैरिज हाल–रिजार्ट में नहीं बज सकेगा 'लाल घाघरा...

गोरखपुर। एसपी सिटी अभिनव त्यागी व एडीएम सिटी अंजनी सिंह ने मैरिज हाल संचालकों के साथ बैठक की। शादी में देर रात तक डीजे बजाकर शोर न हो और अगर कोई मनमानी करता है तो मैरिज हाउस की तरफ से इसकी सूचना स्थानीय थाने पर तुरंत दें। इसके अलावा सहालग के समय मैरिज हाल के पास जाम भी न लगने पाए। सबसे ज्यादा दिक्कत ट्रैफिक को लेकर होती है।शादी, तिलक या किसी मांगलिक आयोजन की बुकिंग के समय ही आयोजक को बता दें कि हर्ष फायरिंग पर प्रतिबंध है। देर रात डीजे बजाकर शोर भी नहीं करना है। अगर कोई मनमानी करता है तो इसकी सूचना स्थानीय थाने पर तुरंत दें, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। मैरिज हाल के अंदर व गेट के बाहर सीसी कैमरे जरूर लगवाएं ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके।

ये निर्देश एसपी सिटी अभिनव त्यागी व एडीएम सिटी अंजनी सिंह ने मैरिज हाल संचालकों को दिए। बुधवार को कलक्ट्रेट भवन में आयोजित बैठक में अधिकारियों ने कहा कि सहालग के समय मैरिज हाल के पास जाम भी न लगने पाए। सबसे ज्यादा दिक्कत ट्रैफिक को लेकर होती है।शहर का कोई इलाका नहीं बचता है जहां बरात की वजह से लोग जाम में न फंसे हों। कुछ जगह तो बराती पूरी सड़क घेरकर ही नाचते–गाते जाते हैं। रास्ता न मिलने से कई जगह झड़प तक की स्थिति बन जाती है। सभी को ध्यान देना है कि ऐसी स्थिति न पैदा हो। उन्होंने कहा कि सभी मैरिज हाल संचालक अपने सिक्योरिटी गार्ड को मुस्तैद रखें। वे सही ढंग से गाड़ियों की पार्किंग कराएं। सड़क पर बेतरतीब पार्किंग से जाम न लगे, इसका भी ध्यान दें।

तीन माह पहले तलाक...

अब बंद फ्लैट में ऐसे हाल में मिली बैंक की मैनेजर, पड़ोसी ने आखिरी बार देखा था यहां

कानपुर। कानपुर में बंद फ्लैट में महिला बैंक मैनेजर को ऐसे हाल में देखकर होश उड़ गए। महिला बैंक मैनेजर कल्याणपुर के गूबा गार्डन के पास स्थित आनंद अपार्टमेंट में अकेले रहती थी। वह फर्रुखाबाद की आर्यावर्त ग्रामीण बैंक में तैनात थीं। फर्रुखाबाद में आर्यावर्त ग्रामीण बैंक की मैनेजर मेधा नायक (32) का शव कानपुर के कल्याणपुर के गूबा गार्डन के नजदीक स्थित आनंद अपार्टमेंट के एक फ्लैट के बेडरूम के फर्श पर पड़ा मिला। चार दिन से बेटी से बात न होने पर एसबीआई मुंबई में तैनात आगरा के सिकंदरा निवासी पिता रामजी लाल नायक ने पुराना शिवली रोड निवासी रिश्तेदार नीतू को बेटी के घर भेजा तो मेधा की मौत की जानकारी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच की। शव की स्थिति को देखकर अधिकारियों ने दो से तीन दिन पहले मौत की आशंका जताई है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मेधा अपार्टमेंट में अकेले रहती थीं। तीन महीने पहले झांसी में रेलवे में तैनात शिवदत्त से तलाक हो चुका था। इसके बाद से वह अकेले रह रही थीं। शव दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। एसीपी कल्याणपुर अभिषेक पांडेय ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत का कारण स्पष्ट होने पर आगे कार्रवाई की जाएगी। फर्रुखाबाद में आर्यावर्त ग्रामीण बैंक की मैनेजर रहीं मेधा करीब छह महीने पहले कन्नौज से फर्रुखाबाद स्थानांतरित होने के बाद कल्याणपुर क्षेत्र के आनंद अपार्टमेंट में रहने आईं थी। पड़ोसियों के अनुसार वह लोगों से कम बात करती थी।

पड़ोसी ने आखिरी बार लिफ्ट में जाते देखा था मेधा को

आखिरी बार उन्हें पड़ोस में रहने वाली एक महिला ने सोमवार शाम करीब छह बजे लिफ्ट के जरिये अपने फ्लैट की ओर जाते देखा था। हालांकि इसके बाद न तो उनका किसी से संपर्क हुआ, न ही किसी ने उन्हें फ्लैट में आते–जाते देखा। पुराना शिवली रोड निवासी रिश्ते की ननद नीतू जब मेधा के पिता रामजी लाल नायक के कहने पर अपार्टमेंट पहुंची तो फ्लैट का दरवाजा अंदर से बंद मिला। खटकाने पर नहीं खुला तो सिक्योरिटी की मदद से सीसीटीवी कैमरे चेक कराए। फुटेज में भी न दिखने पर अनहोनी की आशंका के चलते सिक्योरिटी गार्ड की मदद से दरवाजा खुलवाया तो बदबू आने लगी। अंदर दाखिल हुए तो बेडरूम में मेधा फर्श पर गिरी दिखी। आसपास खून फैला था। सूचना पर पहुंची पुलिस को वहां पर सिगरेट व शराब की बोतल भी शव के पास पड़ी मिली। फिलहाल पुलिस मौत की वजह नहीं बता सकी है। एसीपी कल्याणपुर अभिषेक पांडेय ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

भूमि की पैमाइश में लापरवाही पर एक आईएएस और तीन पीसीएस निलंबित

लखनऊ। यूपी में योगी सरकार ने भूमि पैमाइश को लेकर हो रही लापरवाही पर सख्त फैसला लिया। इस मामले में एक आईएएस और तीन पीसीएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। प्रदेश सरकार ने लखीमपुर खीरी में खेत की पैमाइश लटकाए रखने पर एक आईएएस और तीन पीसीएस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। वर्तमान में वे अलग–अलग जिलों में तैनात थे। इन तीनों अधिकारियों को राजस्व परिषद से संबद्ध कर दिया गया है।

शासन ने आईएएस अधिकारी व अपर आयुक्त लखनऊ मंडल धनश्याम सिंह को निलंबित कर दिया है। पीसीएस अधिकारियों में बाराबंकी के एडीएम (वित्त एवं राजस्व) अरुण कुमार सिंह, झांसी के नगर मजिस्ट्रेट विधेश सिंह, बुलंदशहर की एसडीएम रेनु को निलंबित किया गया है। इन चारों अधिकारियों ने लखीमपुर खीरी में अपनी तैनाती के दौरान पैमाइश के मामलों में टालमटोल की। यहां बता दें कि लखीमपुर खीरी के सदर भाजपा विधायक योगेश वर्मा का 24 अक्तूबर को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह स्कूटी पर बैठकर कलक्ट्रेट परिसर गए और बीच सड़क पर एसडीएम से लेकर कानूनगो की शिकायत करते हुए नजर आए। इस वीडियो में विधायक कह रहे थे कि सेवानिवृत्त शिक्षक विश्वेश्वर दयाल की भूमि की पैमाइश के लिए घूस में 5000 रुपये लिए गए। इस घूस की रकम को वापस किया जाए। इस मामले में तत्काल उच्चस्तर से जांच के आदेश दिए गए। नियुक्ति विभाग ने लखीमपुर खीरी के डीएम से इसकी पूरी रिपोर्ट मांगी थी। इसमें यह पूछा कि छह साल पहले यानी वर्ष 2019 के बाद कौन–कौन उप जिलाधिकारी, तसीलदार और नायब तहसील वहां तैनात रहे। उन्होंने पैमाइश के मामले में क्या कार्रवाई की। डीएम से मिली रिपोर्ट के आधार पर इन चारों अफसरों को दोषी पाया गया है।

सीतापुर। रामकोट थाना क्षेत्र के धनईखेड़ा गांव में जिला खान अधिकारी के साथ बीती 6 नवंबर को अवैध खननकर्ताओं ने जमकर अभद्रता की। डीएम अभिषेक आनंद के आदेश पर रामकोट पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों व एक अन्य अज्ञात के विरुद्ध मंगलवार रात केस दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

जिला खान अधिकारी की तहरीर के मुताबिक बीती 6 नवंबर को रात एक बजे उन्हें धनईखेड़ा में अवैध खनन की सूचना मिली। वह मौके पर हमराही होमगार्ड राधेलाल और महेंद्र सिंह के साथ आईं। वहां एक स्थान पर एक जेसीबी, एक डंफर व एक बिना नंबर प्लेट का ट्रैक्टर खनन करते मिले। आरोप है कि पूछने पर जेसीबी चालक ने दूसरी गाटा संख्या के कागज दिखाये। इसके साथ ही अरजीत शुक्ला नामक शख्स को फोन कर मौके पर बुला लिया। अरजीत अपने साथ भगवानपुर गांव निवासी दिवाकर प्रसाद व कई अन्य लोगों को मौके पर ले आया।

आरोप है कि जब जिला खान अधिकारी अपने मोबाइल से बात करने लगीं और घटना का वीडियो बनाने लगीं तो उनके हाथ से मोबाइल छीनकर जमीन पर पटक दिया गया। इसके बाद मोबाइल को तोड़ दिया गया। आरोप है कि सभी लोग उन पर हमलावर हो गये। महिला खनन अधिकारी का हाथ पकड़कर आरोपियों ने धक्का दे दिया। जिससे वह जमीन पर गिर गईं। इसके बाद छेड़छाड़ करने लगे। जब उनके हमराही ने उच्च अधिकारियों को सूचना देनी चाही तो उसका भी मोबाइल फोन छीनकर फेंक दिया और धक्का मुक्की की। अन्य लोगों ने जान से मारने की धमकी दी। जिला खान अधिकारी ने बताया कि सभी आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। वहीं, सरकारी कार्य में बाधा डाली। बताया कि सभी आरोपियों से जान माल का खतरा बना हुआ है। जिला खान अधिकारी ने डीएम को पूरी घटना बताई। डीएम के हस्तक्षेप के बाद मुकदमा दर्ज हुआ। प्रभारी निरीक्षक बलवंत शाही ने बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है।

गाटा संख्या के नाम पर हो रहा था खेल

जिलाधिकारी कार्यालय से दिवाकर प्रसाद ने 26 अक्तूबर से 24 नवंबर तक के लिए गाटा संख्या 125 से मिट्टी खनन की अनुज्ञा ली थी। खनन अधिकारी के मुताबिक रात के अंधेरे में नियमों के विपरीत दूसरी गाटा संख्या पर काम किया जा रहा था। जबकि मंडलायुक्त के स्पष्ट निर्देश हैं कि खनन की साइट पर कार्य का बोर्ड अवश्य लगाया जाये।

अरजीत के बाबा का भी रह चुका है पुराना आपराधिक इतिहास

अरजीत शुक्ला के बाबा इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के कौरैय्या गांव निवासी रामकुमार शुक्ला पर करीब आधा दर्जन गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, एससी एसटी एक्ट व अन्य कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है। आरोप है कि रामकुमार शुक्ला ने खैराबाद थाना क्षेत्र के धरैंचा में एक जमीन को एक आरोपी की मदद से सरकार के खाते में दर्ज जमीन को अनाधिकृत रूप से अपने पौत्रों के नाम दर्ज कराया था।

> यूपी के सीतापुर जिले में अवैध खनन रोकने के लिए गई जिला खनन अधिकारी के साथ अवैध खननकर्ताओं ने जमकर अभद्रता की। डीएम के आदेश पर केस दर्ज कर लिया गया है।

आग का गोला बनी बस

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर टायर फटने से बस में लगी आग, बाल–बाल बचे सवार 42 यात्री

> बस पर सवार 42 यात्रियों को सकुशल सामान सहित उतारा गया। देखते ही देखते आग की लपटों ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। बस धू धू कर जलने लगी।

लखनऊ। लखनऊ के गोसाईगंज इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर टायर फटने से चलती बस में आग लग गई। इससे हड़कंप मच गया। इस समय बस में 42 यात्री सवार थे। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर टोल से पहले बृहस्पतिवार सुबह टायर फटने से चलती बस में आग लग गई। साइड मिरर में लपटें व धुआं उठता देख चालक ने बस किनारे खड़ी कर दी। आनन–फानन यात्रियों को नीचे उतारा गया। उधर, आग की लपटों ने बस को अपनी चपेट में ले लिया।

सूचना पाकर पुलिस और दमकल मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक बस जल चुकी थी। गोसाईंगंज के शाहजादे खेड़ा के पास बृहस्पतिवार सुबह करीब 6:30 बजे चलती बस में आग लग गई। दिल्ली निवासी चालक राजेश शर्मा ने सूझबूझ दिखाते हुए बस किनारे लगाकर खड़ी कर दी।

बस पर सवार 42 यात्रियों को सकुशल सामान सहित उतारा गया। देखते ही देखते आग की लपटों ने बस को अपनी चपेट में ले लिया। बस धू धू कर जलने लगी। यात्रियों ने पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर सूचना दी। सूचना पाकर इंस्पेक्टर गोसाईंगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी व अग्निशमन अधिकारी मामचंद बड़गुजर चार दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंची।

दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया लेकिन बस तब तक जल चुकी थी। बस के चालक राजेश ने बताया वह यात्रियों को लेकर दिल्ली से आजमगढ़ जा रहे थे तभी पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर बस का पिछला टायर फट गया और बस में आग लग गई। उधर, गोसाईंगंज पुलिस में दूसरी बस का इंतजाम कर सभी यात्रियों को आजमगढ़ भिजवाया।

प्रदेश में बनेंगे निबंधन मित्र

हजारों लोगों को मिलेगा नौकरी का मौका कैबिनेट में रखा जाएगा प्रस्ताव

लखनऊ। प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार देने के लिए निबंधन मित्र की पोस्ट बनाई जा रही है। यह निबंधन मित्र रजिस्ट्री के दस्तावेज तैयार करने में मदद करेंगे। प्रदेश में पहली बार बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर खोलने के लिए निबंधन मित्र की नियुक्ति होगी। इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। निबंधन मित्र रजिस्ट्री व प्रापर्टी संबंधी दस्तावेज तैयार करेंगे। इससे पहले उन्हें सरकार की तरफ से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

फिर यूनीक आईडी नंबर के साथ लाइसेंस दिया जाएगा। एक रजिस्ट्री का पेपर तैयार करने की फीस दो हजार रुपये तय करने का प्रस्ताव है। वहीं, गलत डीड के लिए जवाबदेही भी होगी। इस प्रस्ताव से न्यूनतम 20 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। इनमें महिलाओं की अच्छी संख्या होने की उम्मीद है।

देश में अपनी तरह का यह पहला प्रयोग होगा। वर्तमान में रजिस्ट्री की डीड करने के लिए तीन विकल्प हैं। आवेदक स्वयं स्टांप डीड तैयार करे।

किसी अधिवक्ता की मदद से डीड बनाए या फिर डीड राइटर से रजिस्ट्री के दस्तावेज तैयार कराए। अब सरकार निबंधन मित्रों के रूप में चौथा विकल्प देगी। सूत्रों के मुताबिक संबंधित प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसे जल्द ही कैबिनेट में पेश किया जाएगा।

ये होगी पात्रता

निबंधन मित्र की न्यूनतम पात्रता ग्रेजुएट होगी। उसके ऊपर कोई आपराधिक मुकदमा दायर न हो। सरकार प्रशिक्षण के बाद एक लाइसेंस नंबर देगी। लाइसेंस बनाए रखने के लिए वर्ष में न्यूनतम पांच रजिस्ट्री करनी होगी। रजिस्ट्री डीड बनाने का अधिकार अधिवक्ता और डीड राइटर को पहले की तरह रहेगा। कोई व्यक्ति खुद भी डीड तैयार कर सकता है।

निबंधन मित्र की भी तय होगी जवाबदेही

निबंधन मित्र की जवाबदेही भी होगी। प्रत्येक रजिस्ट्री से पहले प्रापर्टी का भौतिक परीक्षण करना होगा। साल में पांच गलत डीड पाए जाने पर उसे नोटिस जारी की जाएगी। जिसका जवाब उसे डीएम को देना होगा। अपना पक्ष रखने के लिए आईजी स्टांप को भी नोटिस का जवाब देना होगा।

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से युवाओं को उद्योगों में प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की गई पहल पीएम इंटर्नशिप योजना में यूपी के 8,506 युवाओं को मौका मिलेगा। इसके लिए पीएम इंटर्नशिप पोर्टल पर नामांकन चल रहे हैं। युवाओं को प्रशिक्षण के साथ हर महीने 5000 रुपये प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। वहीं, इंटर्नशिप पूरी होने पर एकमुश्त 6000 रुपये भी दिए जाएंगे। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पठन–पाठन में उद्योगों पर आधारित पाठ्यक्रम व वहां पर प्रशिक्षण लेने पर जोर दिया जा रहा है। ताकि यहां से निकलने के बाद युवाओं को विभिन्न उद्योगों में ही रोजगार के अवसर मिल जाएं। इसी क्रम में पीएम इंटर्नशिप योजना की शुरू की गई है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत इसमें देश भर के 21 से 24 वर्ष के सवा लाख युवाओं को 500 टॉप कंपनियों में इंटर्नशिप कराई जाएगी। इसके लिए आईटीआई, हाई स्कूल, इंटर व स्नातक पास युवा आवेदन कर सकते हैं। यूपी से आवेदनों की संख्या बढ़ाने के लिए पिछले दिनों केंद्र सरकार ने प्रदेश सरकार को पत्र भेजा था। इसके बाद से उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, प्राविधिक शिक्षा विभाग व कौशल विकास मिशन इसमें जुट गए हैं। हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव शिपु गिरी ने इसके लिए प्रदेश के सभी सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों के साथ ऑनलाइन बैठक कर अधिकाधिक युवाओं के रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए हैं। यहां विभिन्न कंपनियों में 8,506 युवाओं के लिए इंटर्नशिप करने का मौका है।

दलित ही विधाता... जिसने साधा, दूर होगी बाधा

इस सीट पर जीत दर्ज करना BJP संग सपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल

लखनऊ। यूपी की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा। इस विधानसभा सीट पर उपचुनाव में जीत दर्ज करना भाजपा के साथ ही सपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। पिछले कई दशकों से भाजपा के धार्मिक एजेंडे में शामिल रहे अयोध्या सटे अंबेडकरनगर जिले की कटेहरी विधानसभा में हो रहे उपचुनाव में जीत दर्ज करना भाजपा के साथ ही सपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। भाजपा इस चुनाव जीतने के लिए इसलिए जोर लगाए हुए कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर बनने के बाद यह विधानसभा स्तर पर पहला चुनाव है। वहीं, लगातार दो बार से सपा के खाते में रही इस सीट को बचाने को लेकर सपा भी जद्दोजहद करती दिख रही है। भाजपा, सपा और बसपा के उम्मीदवार अपने–अपने कोर वोट बैंक के साथ ही दूसरे वोट बैंक में सेंधमारी के जरिये जीत का समीकरण बिठाने में जुटे हैं, पर क्षेत्र के भ्रमण के दौरान जनता का मिजाजा यही बता रहा है कि जीत का सेहरा उसी के सिर बंधेगा, जो प्रत्याशी दलित बहुल इस सीट पर दलितों को रिझाने में सफल होगा।

कटेहरी विधानसभा में तीन दशक से ज्यादा वक्त से जहां भाजपा ने जीत का स्वाद नहीं चखा है। क्या भाजपा जीत के सूखे को इस बार दूर कर पाएगी या फिर बसपा–सपा का चल रहा क्रम ही दोहराएगा। इसे समझने के लिए हम मंगलवार को कटेहरी पहुंचे। वहां के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र की गलियों, मोहल्लों के लोगों के मिजाज को भांपने की कोशिश की। हर वर्ग और जाति के लोगों के चुनावी चर्चा के दौरान यह साफ हो गया है कि इस बार के उपचुनाव में मुद्दे के बजाय प्रत्याशियों की छवि और जातिगत समीकरण ही चुनाव परिणाम तैयार करेंगे। चर्चा में पहली चीज यह समझ में आई जातिगत आंकड़ों का सियासी गणित।

कटेहरी में जितने अनुसूचित जाति समुदाय से आने वाले लोग हैं करीब–करीब उतने ही सवर्ण हो जाते हैं। ऐसे में पिछड़ों की भूमिका बेहद अहम हो जाती है, लेकिन कटेहरी में सबसे ज्यादा ताकत में दलित हैं।

माना जा रहा है कि पिछड़े–दलित जिसके पक्ष में लामबंद होंगे, उसकी जीत पक्की है। कटेहरी में तीन प्रमुख पार्टियों ने पिछड़े वर्ग से आने वाले प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। भाजपा ने यहां 1996, 2002 और 2007 में बसपा के टिकट से विधायक रहे धर्मराज निषाद को प्रत्याशी बनाया है।

यहां पर भाजपा सिर्फ एक बार 1992 में चुनाव जीती है। पिछले दो चुनाव 10 हजार से भी कम अंतर से हारी है। ऐसे में पार्टी ने यहां पूरी ताकत लगा दी है। खुद सीएम योगी दो बार दौरा कर चुके हैं। 2022 और 2017 का विधानसभा चुनाव ओबीसी बनाम ब्राह्मण हो गया था।

अबकी बार ओबीसी बनाम ओबीसी है। ऐसे में स्थिति बदली हुई है। भाजपा ने खुद के सिंबल पर धर्मराज निषाद को टिकट दिया है। लोग मानते हैं, जो प्रत्याशी को नहीं पसंद कर रहे, वह पार्टी और योगी–मोदी के नाम पर वोट देंगे। सपा ने सांसद लालजी वर्मा की पत्नी को टिकट दिया। ऐसे में उनके ऊपर परिवारवाद का आरोप लग रहा है। पार्टी के ही पहाड़ी यादव, शंखलाल यादव जैसे नेता नाराज हो गए। बीजेपी इसे भुनाने की कोशिश कर रही है। यहां पीडीए फॉर्मूला भी ज्यादा प्रभावी नहीं दिख रहा है। बसपा ने यहां अमित वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। ऐसे में वर्मा वोट सपा और बसपा में बंट सकता है। इसका फायदा भाजपा को हो सकता है। पिछले दो चुनाव में ब्राह्मण–ठाकुर के बीच वोट बंट गया था।

लोगों का मिजाज जानने हम सबसे पहले हम महरूआ कस्बे में पहुंचे तो ध्रुप सिंह फौजी के साथ बैठे एक दर्जन लोग चुनावी चर्चा में मशगूल मिले। फौजी का कहना था कि भाजपा जीत तो सकती है, लेकिन स्थानीय स्तर के कुछ नेताओं की भूमिका ही भाजपा को नुकसान पहुंचा रही है। उनका इशारा एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले एक व्यक्ति की ओर था।

वहीं, किशुनीपुर के राजेन्द्र प्रसाद तिवारी भी फौजी से सहमत दिखे। उनका कहना था कि लोकसभा चुनाव की तरह इस चुनाव में भी भाजपा के स्थानीय नेताओं द्वारा कॉडर कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हो रही है, जिससे भाजपा को नुकसान उठाना पड़ रहा है। लोकनाथपुर के पप्पू सिंह व रामपुर के दलित श्यामलाल कहते हैं कि मुद्दे तो अपनी जगह हैं, लेकिन थाने से लेकर तहसील तक जड़ जमाए भ्रष्टाचार के चलते भी लोगों में नाराजगी है। जो लोग 25 साल से भाजपा का झंडा ढो रहे हैं, उनको भी थाने में बुलाकर अपमानित किया जाता है। ऐसे ही तमाम लोग भी मिले तो भाजपा के जीतने के समीकरण तो बताते हैं, पर स्थानीय संगठन और नेताओं के गुटों में बंटने से नुकसान की आशंका भी जताते हैं।

सरखने किशुनीपुर के पूर्व प्रधान रहे राजेश कुमार दूबे कहते हैं कि भाजपा के जातीय नेता ही भाजपा की लंका लगा रहे हैं। उनका इशारा खास तौर से प्रभारी मंत्रियों की तरफ था। उनका कहना था कि कटेहरी को जिताने की जिम्मेदारी जिनके कंधे पर है, वह मंत्री न तो बस्तियों में जा रहे हैं और ही अपनी–अपनी बिरादरी में ही संपर्क कर रहे हैं। बसंतपुर के डॉ. रामचंद्र यादव, रतन, पूर्व प्रधान रामकेश यादव का कहना है कि हर बार की तरह इस बार भी विकास के मुद्दे पर चुनाव होगा। बनगांव के दलित बस्ती के रामजियावन वोट किसे देंगे यह तो नहीं बताया। अलबत्ता इतना जरूर कहा कि जो हमारी खबर लेगा, हम उसकी खबर लेंगे।

ये हैं प्रत्याशी मैदान में

सपा : शोभावती वर्मा
भाजपा : धर्मराज निषाद
बसपा : अमित वर्मा
जातिगत आंकड़े (अनुमानित)
अनुसूचित जाति– 85,000
ब्राम्हण– 50,000
कुर्मी– 45,000
मुस्लिम– 40,000
क्षत्रिय 30,000
निषाद– 30,000
यादव–22,000
राजभर–20,000
बनिया–15,000
धोबी / पासी– 10,000
मौर्या–10,000
पाल– 7,000
कुम्हार / कहार–6000
नाई–8000
चौहान–5000
विश्वकर्मा–4000
अन्य 13,875
कुल मतदाता –4,00,875
पुरुष–2,10568
महिला–1,90306
अन्य–1

चेहरों पर चुनाव ज्यादा, मुद्दे किनारे

कटेहरी में लोगों से बात करते वक्त यह भी महसूस हुआ मुद्दों के अलावा लोगों के जेहन में प्रत्याशियों की छवि भी है। बसंतपुर के रंजन कुमार कहते हैं कि जिस उम्मीदवार की छवि बेहतर होगी, उसका ही चुनाव किया जाएगा। एक खास बात यह भी दिखी कि भाजपा के जिला संगठन से नाराज तमाम लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भरोसा है। कई लोगों कहना था कि विकास, रोजगार और जनसमस्या जैसे मुद्दे इस बार के चुनाव में न तो ज्यादा असरकारी हैं और न ही दलों द्वारा उसकी चर्चा हो रही है। लिहाजा प्रत्याशियों की छवि को लेकर जनता के बीच खूब चर्चा है।

जातियों में टूट का खतरा

अलग–अलग इलाकों में घूमने के दौराय यह भी महसूस हुआ कि जातियों में भी एकजुटता कम दिख रही है। भले ही बड़े जाति वर्ग एक रहने की बात करते हों, लेकिन उन्हें थोड़ा टटोलने पर खुलकर बोल जाते हैं कि दिक्कत खूब है, पूछ नहीं हो रही, बताइए क्या जाति के नाम पर पार्टी के साथ रहा जाए. वैसे ये हाल हर पार्टी के साथ मानी जाने वाली जातियों के हैं ऐसे में प्रत्याशी अपनों को साथ रखने के साथ ही दूसरों में भी सेंधमारी के अवसर तलाश रहे हैं।

जीते कोई भी, बसपा एंगल बना रहेगा

कटेहरी से प्रत्याशियों का बसपा से खास रिश्ता है, 23 नवंबर को जिस भी प्रत्याशी की जीत हो बसपा की चर्चा बनी रहने वाली है. सपा प्रत्याशी शोभावती वर्मा के पति लालजी वर्मा पहले बहुजन समाज पार्टी से ही इस सीट पर विधायक चुने जा चुके हैं. भाजपा के प्रत्याशी धर्मराज निषाद को बसपा सरकार में मंत्री भी रहे और अमित वर्मा तो बसपा के प्रत्याशी हैं ही. ऐसे में लोगों का साफ कहना है कि बसपा और कटेहरी का संबंध इस चुनाव में तो नहीं टूटने वाला।

सपा ने सभी 5 सीटें जीती थी

अंबेडकरनगर में कुल 5 विधानसभा हैं। 2022 में सभी सीटों पर सपा प्रत्याशियों की जीत हुई थी। इसी में एक सीट कटेहरी थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में यहां से विधायक रहे लालजी वर्मा को सपा ने प्रत्याशी बनाया। वह जीत गए। इसलिए यह सीट खाली हुई। अब उनकी पत्नी शोभावती चुनाव लड़ रही हैं।

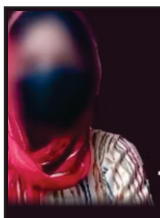

महिला ने भाजपा नेता पर लगाए गंभीर आरोप

'योगी भाइजान... मुझे इंसाफ दिलाएं'

भाजपा की महिला पदाधिकारी ने सीएम से लगाई गुहार

बरेली । बरेली में रिकॉर्डिंग वायरल होने के बाद भाजपा नेता अनीस अंसारी की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। पार्टी की ही पदाधिकारी ने उनके खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। शिकायत के बाद भी रिपोर्ट न होने पर महिला ने वीडियो जारी कर मुख्यमंत्री से इंसाफ की गुहार लगाई है। बरेली में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अनीस अंसारी के खिलाफ पार्टी की ही महिला पदाधिकारी ने मोर्चा खोल दिया है। पिछले दिनों महिला ने अनीस अंसारी और उनके दो साथियों पर यौन शोषण करने का आरोप लगाकर एसएसपी कार्यालय में शिकायत की थी। मामले में एसपी सिटी ने जांच शुरू कर महिला के बयान दर्ज किए, लेकिन अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

इस पर महिला नेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट और वीडियो डालकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इंसाफ की गुहार लगाई है। महिला भाजपा नेता ने फेसबुक पोस्ट में मुख्यमंत्री योगी को भाईजान संबोधित कर इंसाफ की मिसाल बताया। लिखा, 'मैं बहुत परेशान हूं। मुझे आपकी मदद की जरूरत है। अनीस अंसारी ने मेरे साथ बहुत बड़ा अन्याय किया है।

आप मुझे न्याय दिलाएं। मेरा मुकदमा नहीं लिखा जा रहा है। मुझ पर सात नवंबर को हमला कराया गया, जिसका मुकदमा बारादरी में लिखवा चुकी हूं। मुझे रोज धमकी मिल रही हैं कि मुकदमा लिखवाने से पहले तुझे और तेरे बच्चों को मार देंगे। योगी भाईजान मेरी और मेरे बच्चों की मदद कीजिए।'

नकली दवाओं की सप्लाई...

अफ्रीकी देश अंगोला और अफगानिस्तान तक पहुंच, जीजा के साथ शुरू किया धंधा

आगरा। आगरा में एमबीए पास सौरभ दुबे ने जीजा के साथ मिलकर नकली दवाओं का अवैध धंधा शुरू किया। इस धंधे से हर महीने लाखों की कमाई हो रही थी। इन दवाओं की सप्लाई अफ्रीकी देश अंगोला और अफगानिस्तान तक में की जा रही थी। आगरा के शास्त्रीपुरम में पकड़ी गईं नकली दवाओं की फैक्टरी एमबीए पास सौरभ दुबे ने अपने जीजा अश्वनी गुप्ता के साथ मिलकर खोली थी।

जीजा–साले दवाओं की सप्लाई उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, पंजाब के साथ सेंट्रल अफ्रीकी देश अंगोला और अफगानिस्तान तक कर रहे थे। इन्हें हर महीने लाखों का मुनाफा हो रहा था। करीब 11 महीने पहले जीजा से विवाद होने पर साले अपनी अलग फैक्टरी खोल ली। पुलिस ने दोनों पर एक साथ छापा मारा। थाना सिकंदरा के प्रभारी निरीक्षक के मुताबिक, नरसी विलेज, राज दरबार कॉलोनी निवासी सौरभ 2 साल पहले शास्त्रीपुरम स्थित दवा फैक्टरी जनरल मैनेजर के पद पर कार्यरत था।

वह पूरा कामकाज संभालता था। उसके साथ आवास विकास कॉलोनी का विशाल काम करता था। वह बीटेक पास है। सौरभ ने अपनी फैक्टरी खोलने का प्लान बनाया। उसने अपने जीजा दयालबाग की विभव वाटिका निवासी अश्वनी गुप्ता से बात की। उनके साथ साझीदारी में अपनी फर्म बनाई। जीजा की दयालबाग में दवाओं की सप्लाई का काम है। उन्होंने शास्त्रीपुरम स्थित बंद पड़े मैरिज होम

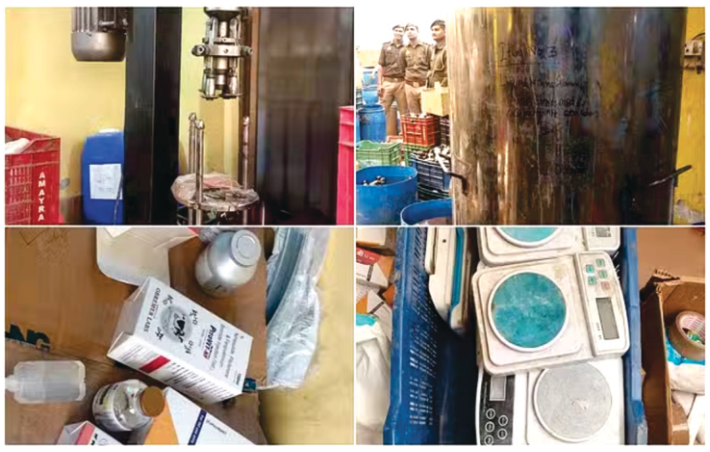

को 17 हजार रुपये महीने पर किराये पर लिया। इसमें वेटनोसेफ रिसर्च इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नाम से फैक्टरी खोल ली। दिल्ली सहित अन्य राज्यों से केमिकल, बोतल, पैकिंग का सामान मंगाते थे।

मशीनों में दवाएं तैयार की जाती थी। यह काम सौरभ खुद करता था। महिला मजदूरों को 5–5 हजार रुपये महीने पर रखा हुआ था। वह लेबल लगाने से लेकर पैकिंग करती थीं। एक ही बैच नंबर पर यह दवाएं बाजार में सप्लाई हो रही थीं।

फैक्टरी में कोई विशेषज्ञ नहीं था। इसके साथ ही आरोपियों के पास उत्तराखंड का लाइसेंस था। वह भी दवाओं के डिस्ट्रीब्यूशन का बताया गया है। इनसे दवाओं का तैयार नहीं किया जा सकता।

जीजा ने दिया धोखा, साले ने खोल ली अपनी फैक्टरी

सौरभ ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि 11 महीने पहले जीजा से विवाद हो गया। उन्होंने बहन निधि गुप्ता को मैनेजर बना दिया। उसे कोई भुगतान नहीं किया जाता था। इस पर उसने जीजा की फैक्टरी से 500 मीटर की दूरी पर एक मकान 15 हजार रुपये महीने पर किराये पर लिया। उसने नोवीटास लाइफ साइसेंज नाम से फैक्टरी खोल ली। इसमें दवाओं को तैयार करने लगा।

उसके यहां से दवाओं की सप्लाई आगरा के साथ एटा, कानपुर, अलीगढ़, पंजाब, राजस्थान के जयपुर के अलावा मध्य अफ्रीका के देश अंगोला और अफगानिस्तान में एजेंटों के माध्यम से की जा रही थी।

सोशल मीडिया पर युवाओं को भड़काता था इनामुल

जिहाद के लिए नेटवर्क खड़ा कर रहा था बरेली का इनामुल हक, चार साल पहले हुई थी गिरफ्तारी

बरेली। लखनऊ में एटीएस के विशेष न्यायाधीश ने आतंकी संगठनों में शामिल होकर देश के खिलाफ साजिश रचने और आतंकियों की भर्ती कराने के दोषी मोहम्मद इनामुल हक समेत दो को 10–10 साल की सजा सुनाई गई है। इनामुल हक बरेली का रहने वाला है। वह आतंकी जाकिर मूसा को शहीद बताता था। आतंकी गतिविधियों में शामिल बरेली के कटघर मोहल्ले का रहने वाला मोहम्मद इनामुल हक अलकायदा और मारे गए आतंकी जाकिर मूसा का समर्थक है। वह मूसा की तर्ज पर युवाओं को भड़का रहा था। इसी बीच वह लखनऊ एटीएस के हाथ लग गया। बता दें कि आतंकी संगठनों में शामिल होकर देश के खिलाफ साजिश रचने और आतंकियों की भर्ती कराने के दोषी मोहम्मद इनामुल हक समेत दो दोषियों को 10–10 साल की सजा सुनाई गई है। इन पर 30–30 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया है।

बरेली के कटघर से 18 जून 2020 को इनामुल की गिरफ्तारी के वक्त काफी भीड़ लग गई थी। आसपास के लोग उसे पढ़े–लिखे परिवार के शांत रहने वाले युवा के तौर पर देखते थे। इसलिए तमाम लोगों ने उस वक्त एटीएस की कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। उसके पास से अलकायदा का साहित्य भी बरामद किया गया था। तब लोगों ने परिवार से दूरी बनाई। फिर टीम उसे लखनऊ ले गई और दस दिन की रिमांड पर लेकर उससे आतंकी कनेक्शन के राज उगलवा लिए। इनामुल से पूछताछ के बाद लखनऊ से जम्मू–कश्मीर के शकील अहमद डार की गिरफ्तारी हो सकी।

सबूत न मिलने पर भाई को छोड़ा

शुरू में बरेली में घर पर दबिश देकर इनामुल और उसके भाई मुनीर को एटीएस पकड़कर लखनऊ ले गई थी। वहां पड़ताल में मुनीर का कोई भूमिका नहीं मिली तो उसे तुरंत ही छोड़ दिया गया। इनामुल के पिता नूरल हक पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में कर्मचारी थे। उनकी मौत के बाद इनामुल के भाई फरीद को उनकी जगह नौकरी मिल गई। तब इनामुल का शुरुआती समय पंतनगर में ही बीता।

एलॉन मस्क और भारतवंशी विवेक रामास्वामी को 'ट्रंप सरकार' में अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है. दोनों को डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिशियंसी का जिम्मा सौंपा गया है. ट्रंप के मुताबिक इस डिपार्टमेंट से ब्यूरोक्रेसी में व्यापक बदलाव आएंगे और सरकार में धरातल पर काम अधिक होगा और नौकरशाही कम होगी।

बुलडोजर एक्शन पर 'सुप्रीम' रोक

आरोपी होने पर घर नहीं गिराया जा सकता, प्रशासन जज न बने', बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी बातें कही हैं. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अपराध की सजा घर तोड़ना नहीं है. वहीं कोर्ट ने कहा कि मनमाने तरीके से मकान गिराने पर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय होना चाहिए. सुप्रीम टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों के अधिकारों की रक्षा जरूरी है और प्रशासन जज नहीं बन सकता है।

किसी का घर उसकी अंतिम सुरक्षा होती है: कोर्ट गलत तरीके से घर तोड़ने पर मुआवजा मिले: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी भी परिवार के लिए घर सपने की तरह होता है। किसी का घर उसकी अंतिम सुरक्षा होती है। मकान मालिक को डाक से नोटिस भेजा जाए। गलत तरीके से घर तोड़ने पर मुआवजा मिले। बुलडोजर एक्शन पर पक्षपात नहीं हो सकता।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने इस मामले पर सभी राज्यों को निर्देश देते हुए इस मामले पर सख्त टिप्पणी की। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि सिर्फ आरोपी होने पर घर नहीं गिराया जा सकता, बिना मुकदमा किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। वहीं, इस मामले पर प्रशासन जज नहीं बन सकता। अगर अवैध तरीके से घर तोड़ा जाए तो मुआवजा मिले। कोर्ट ने कहा कि अवैध कार्रवाई करने वाले अधिकारियों को दंडित किया जाए। बिना किसी का पक्ष सुने सुनवाई नहीं की जा सकती।

अवैध निर्माण को हटाने का मौका दिया जाए: कोर्ट

कोर्ट ने आगे कहा कि नोटिस की जानकारी जिला अधिकारी (क्ड) को दी जाए। वहीं, सभी राज्यों के चीफ सेक्रेटरी को भी आदेश भेजा जाए। अवैध निर्माण हटाने का मौका देना चाहिए। नोटिस में जानकारी दी जाए कि मकान अवैध कैसे है। स्थानीय नगर निगम के नियम के मुताबिक नोटिस दिया जाए। वहीं, नोटिस दिए जाने के 15 दिन के भीतर कोई कार्रवाई न हो।

बुलडोजर एक्शन पर पक्षपात नहीं हो: कोर्ट

किसी भी परिवार के लिए घर सपने की तरह होता है। किसी का घर उसकी अंतिम सुरक्षा होती है। मकान मालिक को डाक से नोटिस भेजा जाए। गलत तरीके से घर तोड़ने पर मुआवजा मिले। बुलडोजर एक्शन पर पक्षपात नहीं हो सकता। किसी का घर छीनना मौलिक अधिकार का हनन है। बुलडोजर एक्शन, कानून न होने का भय दिखता है। अधिकारी मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकते– सुप्रीम कोर्ट

नोडल अधिकारी की मौजूदगी में हो बुलडोजर एक्शन: कोर्ट

कोर्ट ने कहा कि अगर किसी मामले में आरोपी एक है तो घर तोड़कर पूरे परिवार को सजा क्यों दी जाए। पूरे परिवार से उनका घर नहीं छीना जा सकता है। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि हर जिले का डीएम अपने क्षेत्राधिकार में किसी भी संरचना के विध्वंस को लेकर एक नोडल अधिकारी को नियुक्त करेगा। कोर्ट ने आगे कहा कि नोडल अधिकारी इस पूरी प्रक्रिया को सुनिश्चित करेगा कि संबंधित लोगों को नोटिस समय पर मिले। वहीं, नोटिस का जवाब भी सही समय पर मिल जाए। किसी भी परिस्थिति में बुलडोजर की प्रक्रिया नोडल अधिकारी की मौजूदगी में ही हो। कोर्ट ने फैसले पढ़ते हुए ये भी कहा कि देश में होने वाली बुलडोजर कार्रवाई पर कोर्ट नजर रखेगी।

अक्तूबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.21 प्रतिशत हुई, 14 महीने मे पहली बार आरबीआई के दायरे से बाहर

नई दिल्ली। अक्तूबर में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई है। 14 महीने में पहली बार खुदरा महंगाई दर भारतीय रिजर्व बैंक के टॉलरेंस बैंड से बाहर चली गई। आइए जानते हैं खुदरा महंगाई से जुड़े सरकारी आंकड़े क्या कहते हैं। अक्तूबर महीने में भारत की खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 6.21 प्रतिशत हो गई, यह पिछले महीने के 9 महीने के उच्चतम स्तर 5.49 प्रतिशत से और अधिक है। महंगाई दर में इजाफे का मुख्य कारण खाने–पीने के चीजों की बढ़ती कीमतें हैं। अक्तूबर में खुदरा महंगाई दर 14 महीनों में पहली बार, यानी अगस्त 2023 के बाद से पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक की 6 प्रतिशत की टॉलरेंस बैंड को पार कर गई है।

जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 6.21 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने 5.49 प्रतिशत थी। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी के कारण मुद्रास्फीति बढ़ी है। यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के टॉलरेंस बैंड के ऊपरी स्तर को पार कर गई है।

अक्तूबर 2023 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 4.87 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों से पता चलता है कि खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 10.87 प्रतिशत हो गई, जबकि सितम्बर में यह 9.24 प्रतिशत और एक वर्ष पूर्व इसी महीने में 6.61 प्रतिशत थी।

आरबीआई, जिसने इस महीने की शुरुआत में प्रमुख अल्पकालिक ऋण दर को अपरिवर्तित रखा था, को सरकार की ओर से यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे।

फुटबाल प्लेयर को डेट करना चाहती हैं उर्वशी रौलेता

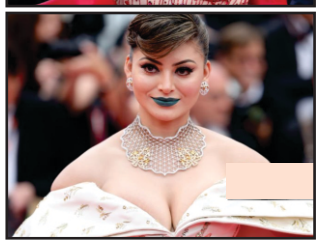

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड अभिनेत्री उर्वशी रौतेला जब भी अपने नए लुक में सामने आती हैं प्रशंसकों के बीच तबाही मचा देती हैं। उर्वशी के कई दीवाने हैं, लेकिन क्या आपको ये पता है कि उर्वशी किसकी दीवानी हैं और वह किसे डेट करना चाहती हैं। उर्वशी रौतेला अक्सर डेटिंग लाइफ की वजह से सुर्खियों में रहती है, जब एक इंटरव्यू के दौरान उर्वशी से पूछा गया कि वह आखिर किसे डेट करना चाहेंगी। तो उनके जवाब ने फिर से इंटरनेट पर हलचल मचा दी है।

इन दोनों फुटबाला प्लेयर को डेट करना चाहती हैं उर्वशी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उर्वशी ने कहा कि वह फुटबॉल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी के साथ लव ट्रायंगल में रहना चाहती हैं। रोनाल्डो और मेस्सी दोनों ही फुटबॉल की दुनिया के दो सबसे बड़े नाम हैं। अपने मजाकिया अंदाज में उर्वशी ने कहा कि वह फुटबॉल खिलाड़ियों के साथ प्रेम त्रिकोण में रहना पसंद करेंगी।

उर्वशी का मजेदार जवाब

एक इंटरव्यू के दौरान जब उर्वशी से पूछा गया कि वह बॉलीवुड में किसके साथ प्रेम त्रिकोण में रहना चाहेंगी। लेकिन उर्वशी ने किसी बॉलीवुड अभिनेता का नहीं बल्कि फुटबॉल खिलाड़ियों का नाम लिया। उर्वशी ने कहा, "मैं क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी के साथ प्रेम लव ट्रायंगल में रहना पसंद करूंगी।"

अपने काम पर फोकस करती ही उर्वशी

उर्वशी रौतेला की बात करें तो उनका नाम अक्सर भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत के साथ जोड़ा जाता है। एक इंटरव्यू में इस बारे में बात की और कहा, "मेरे निजी जीवन के बारे में लगातार जांच और निराधार अफवाहों से निपटना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मैं इस बात पर ध्यान केंद्रित करके इसे संभालती हूं कि मैं अपने काम और अपने व्यक्तिगत विकास को कैसे नियंत्रित कर सकती हूं।"

इन फिल्मों में नजर आएंगी उर्वशी

काम की बात करें तो, उर्वशी रौतेला अगली बार नंदमुरी बालकृष्ण के साथ एनबीके109 में नजर आएंगी। इसके अलावा अहमद खान द्वारा निर्देशित बाप, अक्षय कुमार अभिनीत वेलकम टू द जंगल और कसूर 2 शामिल हैं। वेलकम टू द जंगल में, वह अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, रवीना टंडन, लारा दत्ता के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। जैकलीन फर्नांडीज, परेश रावल, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, कृष्णा अभिषेक, जैकी श्रॉफ और आफताब शिवदासानी।

बॉयफ्रेंड से मुलाकात पर मिस यूनिवर्स प्रतिभागी को मिली ऐतिहासिक सजा

पनामा की प्रतिभागी को बायफ्रेंड से मिलना पड़ा भारी फाइनल से पहले हो गई छुट्टी

एंटरटेनमेंट डेस्क। सौंदर्य प्रतियोगिता मिस यूनिवर्स में पनामा का प्रतिनिधित्व करने पहुंचीं प्रतिभागी इटली मोरा को फाइनल से पहले बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इसकी वजह बताई गई है बॉयफ्रेंड से मुलाकात। इटली मोरा पर आरोप है कि बिना अनुमति वे अपने बॉयफ्रेंड से मिलीं। मिस यूनिवर्स जैसी प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता में शामिल होना किसी के लिए भी बड़ी सफलता होती है। इसमें इटली मोरी पनामा का प्रतिनिधित्व करने पहुंचीं। सबकुछ सामान्य चल ही रहा था कि अचानक इस प्रतियोगिता से उनकी छुट्टी कर दी गई है। इटली को अयोग्य घोषित किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इटली मोरा को पर्सनल स्कैंडल की वजह से प्रतियोगिता से बाहर किया गया है। उन पर आरोप है कि बिना अनुमति वे अपने बॉयफ्रेंड से मिलीं।

अलग कमरे में रुकी इटली मोरा

न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, इटली मोरा को बॉयफ्रेंड से होटल में जाकर मिलने के चलते प्रतियोगिता से बाहर किया गया है। कहा जा रहा है कि वे आयोजकों की इजाजत के बिना मेक्सिको में अपने बॉयफ्रेंड जुआन अबादिया के साथ अलग होटल के कमरे में रुकीं। वहीं, दावा यह भी किया जा रहा है कि अभी प्रतियोगिता से अयोग्य घोषित किए जाने का सही कारण सामने नहीं आया है।

इटली मोरा ने आरोपों से किया इनकार

बॉयफ्रेंड से मुलाकात की बात से इटली मोरा ने इनकार किया है। उनका कहना है कि प्रतियोगिता के एक डायरेक्टर से उनकी गर्मागर्म बहस हुई, जिस के बाद उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया है। फिलहाल इटली पर लगे आर ोप कारण है या खुद इटली मोरा जो कह रही हैं वह असली कारण है, यह स्पष्ट नहीं है। लेकिन, फाइनल से कुछ दिन पहले किसी प्रतिभागी की इस तरह छुट्टी हो जाने का मामला काफी छाया हुआ है।

प्रतिभागी के समर्थन में आए लोग

सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे पर लोग अलग–अलग प्रतिक्रिया दर्ज करा रहे हैं। लोग इटली मोरी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'महिलाओं के लिए हर चीज इतनी प्रतिकूल क्यों है? खेल टीमों को खेल से पहले हुक–अप करने के लिए जाना जाता है, लेकिन वह किसी से मिल भी नहीं सकती? बॉयफ्रेंड से मुलाकात सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए उनकी उम्मीदवारी को कैसे खत्म कर सकती है? एक यूजर ने लिखा, 'किसी की निजी जिंदगी भी कुछ होती है। उसने अपने बॉयफ्रेंड से शादी नहीं की, सिर्फ मुलाकात की। यह तरीका सही नहीं है'।

पनामा से नहीं भेजी जाएगी नई प्रतिभागी

मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन ने इटली मोरा को बाहर किए जाने के फैसले को सही ठहराया है। ऑर्गनाइजेशन का कहना है कि इटली मोरा की गलती पता चलने पर उनके खिलाफ जांच हुई और यह फैसला पूरी पारदर्शिता और सभी पक्षों का सम्मान करते हुए लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इटली मोरा के बाहर होने के बाद मिस पनामा ऑर्गनाइजेशन ने पुष्टि की है कि अब पनामा की ओर से कोई नई प्रतिभागी नहीं भेजी जाएगी। मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता का फाइनल 16 नवंबर को मैक्सिको में होगा।

पिंक साड़ी में मौनी रॉय ने फ्लॉन्ट किया अपना कर्वी फिगर

शिखर धवन ने शुरू की IPL 2024 की तैयारी, पंजाब किंग्स की कप्तानी करते आएँगे नजर, फैन्स ने कहा "ऑरेंज कैप इस साल गब्बर ही पहनेगा"

"मैं नई शुरुआत करना चाहता हूं. मैं ऐसी जगह खेलना चाहता हूं जहां ज्यादा आजादी हो और माहौल संतुलित हो. कई बार आपको अलग होकर अपने लिए कुछ अच्छा तलाशना होता है."
- LSG से अलग होने के बाद बोले केएल राहुल

अंडर–19 वनडे एशिया कप में मोहम्मद अमान करेंगे भारत की अगुआई

यह टूर्नामेंट 1989 से खेला जा रहा है और अब तक इसके 10 संस्करण हो चुके हैं। इस साल 11वां संस्करण है। भारत ने 1989, 2003, 2013, 2013/14, 2016, 2018, 2019, 2021 में आठ बार यह ट्रॉफी जीती है।

स्पोर्ट्स डेस्क। उत्तर प्रदेश के मध्यक्रम के बल्लेबाज मोहम्मद अमान 50 ओवर के एसीसी (एशियाई क्रिकेट परिषद) अंडर–19 एशिया कप में भारत का नेतृत्व करेंगे। इस टूर्नामेंट का आयोजन यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में इस महीने के आखिर में होगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 30 नवंबर को दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। भारतीय टीम में घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन करने वाले कुछ शानदार खिलाड़ी है।

टीम में मुंबई के आयुष म्हात्रे, बिहार के वैभव सूर्यवंशी, तमिलनाडु के सी आंद्रे सिद्दार्थ, केरल के लेग स्पिनर मोहम्मद एनान के साथ कर्नाटक के बल्लेबाज हार्दिक राज और समर्थ नागराज को चुना गया है। भारत और पाकिस्तान के अलावा ग्रुप ए में जापान और मेजबान यूएई शामिल हैं। ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और नेपाल की टीमें हैं। टूर्नामेंट से पहले भारत 26 नवंबर को शारजाह में अभ्यास मैच में बांग्लादेश से भिड़ेगा। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल छह दिसंबर को जबकि फाइनल आठ दिसंबर को खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 1989 से खेला जा रहा है और अब तक इसके 10 संस्करण हो चुके हैं। इस साल 11वां संस्करण है। भारत ने 1989, 2003, 2013, 2013/14, 2016, 2018, 2019, 2021 में आठ बार यह ट्रॉफी जीती है। वहीं, 2012 में मैच टाई रहा था और ट्रॉफी भारत और पाकिस्तान के बीच साझा की गई थी। पिछले साल बांग्लादेश ने यूएई को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। इस साल टीम इंडिया से काफी उम्मीदें हैं।

सेंचुरियन : तीसरे टी-20 में शतक जमाने पर खुशी मनाने तिलक वर्मा।

पर्थ : भारतीय टीम के अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों पर नजर रखे मुख्य कोच गौतम गंभीर और सहायक कोच अभिषेक नायर।

टी20 में भारत के सबसे सफल तेज गेंदबाज बने अर्शदीप

टास जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। तिलक वर्मा की 107' और अभिषेक शर्मा की 50 रनों की पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में छह विकेट 219 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 20 ओवर में सात विकेट पर 208 रन ही बना सकी।

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने तीसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 11 रनों से हराकर चार मैचों की सीरीज में 2–1 से बढ़त बना ली। सेंचुरियन में खेले गए मुकाबले में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने आखिरी ओवर में मार्को यानसेन का विकेट चटकाकर भारत की वापसी कराई। बता दें कि, इस मैच में मेजबानों ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। तिलक वर्मा की 107' और अभिषेक शर्मा की 50 रनों की पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में छह विकेट 219 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका 20 ओवर में सात विकेट पर 208 रन ही बना सकी। इस जीत के बाद टीम इंडिया की नजर अब चौथे और अंतिम मुकाबले पर होगी। यह मैच 15 नवंबर यानी शुक्रवार को जोहानिसबर्ग में खेला जाएगा।

आठवींबार टीम इंडिया ने टी20 में 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया

भारत ने इस मैच में 200 से ज्यादा का स्कोर बनाकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस साल यह आठवीं बार है जब टीम इंडिया ने टी20 में 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। भारतीय टीम एक कैलेंडर वर्ष में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में सर्वाधिक बार 200+ स्कोर करने वाली पहली टीम बन गई है। उसने इस मामले में बर्मिंघम बियर्स और जापान को पीछे छोड़ा। बर्मिंघम बियर्स ने 2022, जबकि जापान ने इस साल टी20 में सात–सात बार 200 से अधिक का स्कोर बनाया है। भारत ने पिछले साल टी20 में कुल सात बार 200 से अधिक का स्कोर खड़ा किया था।

टी20 में भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज बने अर्शदीप

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए फॉर्म में दिख रहे हेनरिक क्लासेन को आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। क्लासेन अच्छी लय में थे और लगातार बड़े शॉट खेल रहे थे, लेकिन अर्शदीप ने उन्हें आउट कर दक्षिण अफ्रीका को छठा झटका दिया। क्लासेन 22 गेंदों पर एक चौके और चार छक्कों की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। अर्शदीप इसके साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज बन गए हैं। अर्शदीप के नाम 92 विकेट हो गए हैं और उन्होंने जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार को पीछे छोड़ दिया है।

कीड़ों ने डाला खलल

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीसरे टी20 मैच में कीड़ों ने खलल डाला जिसके कारण मैच को रोकना पड़ा है। मैदान पर काफी उड़ने वाले कीडें है जिस कारण दोनों टीमों के खिलाड़ियों को दिक्कत हो रही है। हार्दिक पांड्या दूसरा ओवर फेंकने जा रहे थे, लेकिन अंपायर ने उन्हें रोका और चर्चा के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी मैदान से बाहर चले गए हैं।

क्लासेन–यानसेन की मेहनत पर फिरा पानी

लक्ष्य का पीछा करते हुए रिकल्टन 20 रन बनाकर अर्शदीप की गेंद पर बोल्ड हुए। हेंड्रिक्स (21) ने पांचवें ओवर में अक्षर पर तीन चौके लगाए, लेकिन अगले ओवर में उन्हें वरुण ने संजू के हाथों स्टंप कराया। स्टब्स ने आते ही दो चौके लगाकर द. अफ्रीका को 50 के पार कराया। पावरप्ले में द. अफ्रीका ने दो विकेट पर 55 रन बनाए थे। अक्षर ने स्टब्स (12) को भी विदा कर दिया। मार्करम (29) ने वरुण पर दो छक्के लगाए, लेकिन खराब गेंद पर वह कैच दे बैठे। द. अफ्रीका ने 10 ओवर में 4 विकेट पर 84 रन बनाए थे। क्लासेन ने 14वें ओवर में वरुण पर तीन छक्के लगाकर 23 रन बटोरे। सूर्य ने उनका इस ओवर में कैच भी छोड़ा। 5 ओवर में द. अफ्रीका को 86 रन बनाने थे। 18वें ओवर में क्लासेन (41) के आउट हो गए।

इसके बाद यानसेन ने मोर्चा संभाल लिया। महज 16 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा जो उनके टी20 करियर का पहला पचासा है। यानसेन ने टीम को जीत दिलाने की पूरी कोशिश की, लेकिन अंतिम ओवर में अर्शदीप ने उन्हें आउट कर दक्षिण अफ्रीका की अंतिम उम्मीद भी तोड़ दी। दक्षिण अफ्रीका के लिए हेनरिक क्लासेन ने 22 गेंदों पर एक चौके और चार छक्कों की मदद से 41 रन बनाए। क्लासेन को भी अर्शदीप ने अपना शिकार बनाया। भारत की ओर से अर्शदीप ने तीन विकेट लिए, जबकि वरुण चक्रवर्ती को दो और हार्दिक पांड्या तथा अक्षर पटेल को एक–एक विकेट मिला।

तिलक के शतक ने 200 के पार पहुंचाया स्कोर

भारत के लिए तिलक ने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का अपना पहला शतक जड़ा जिससे भारतीय टीम 200 रनों का आंकड़ा पार करने में सफल रही। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने शुरुआती ओवर में ही संजू सैमसन का विकेट गंवा दिया था। सैमसन लगातार दूसरे मैच में खाता खोले बिना आउट हुए थे।

हालांकि, अभिषेक और तिलक ने इसके बाद पारी को संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 107 रनों की साझेदारी की। अभिषेक अर्धशतक लगाने के बाद 25 गेंदों पर 50 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक के आउट होने के बाद तिलक ने अपनी पारी जारी रखी और पहले अर्धशतक लगाया और फिर शतक जड़ने में भी सफल रहे। तिलक 56 गेंदों पर आठ चौकों और सात छक्कों की मदद से 107 रन बनाकर नाबाद पवेलियन लौटे। भारत के लिए कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एक रन, हार्दिक पांड्या ने 18 रन, रिंकू सिंह ने आठ रन और रमनदीप सिंह ने 15 रनों का योगदान दिया।

वहीं, अक्षर पटेल एक रन बनाकर नाबाद लौटे। दक्षिण अफ्रीका के लिए आंदिले सिमलाने और केशव महाराज ने दो–दो विकेट झटके, जबकि मार्को येनसेन को एक विकेट मिला।

बंद दरवाजे के पीछे अभ्यास करना चाहती भारतीय टीम

स्पोर्ट्स डेस्क। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में दावा किया गया कि भारतीय टीम बंद दरवाजे के पीछे अभ्यास करना चाहती थी। हालांकि,वाका स्टेडियम पर भारत और भारत ए की टीमों के बीच खेले जाने वाले अभ्यास मैच का लुत्फ उठाने के लिए भारतीय टीम प्रबंधन ने प्रशंसकों को शुक्रवार से रविवार तक देखने की अनुमति देने फैसला किया। पांच मैचों की टेस्ट सीकीज के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है और जमकर पसीना बहा रही है। बुधवार को भारतीय खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसकी जानकारी दी। अब बीसीसीआई के अभ्यास सत्र से जुड़ा एक नया मामला सुर्खियों में बना हुआ है।

दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में दावा किया गया कि भारतीय टीम बंद दरवाजे के पीछे अभ्यास करना चाहती थी। हालांकि,वाका स्टेडियम पर भारत और भारत ए की टीमों के बीच खेले जाने वाले अभ्यास मैच का लुत्फ उठाने के लिए भारतीय टीम प्रबंधन ने प्रशंसकों को शुक्रवार से रविवार तक देखने की अनुमति देने फैसला किया।

बीसीसीआई का यह फैसला ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की उस रिपोर्ट को खारिज करता है जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय टीम का अभ्यास सत्र प्रशंसकों के लिए बंद रहेगा। 'द ऑस्ट्रेलियन' अखबार ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि वाका स्टेडियम के नवीनीकरण के काम में लगे निर्माण श्रमिकों के दल को उनकी कंपनी के सीईओ द्वारा भारतीय टीम के नेट सत्र के दौरान फोटो खींचने या ड्रोन के इस्तेमाल के लिए मना किया गया है। अखबार के मुताबिक, "भारत अपने अभ्यास सत्र को गुप्त रखना चाह रहा है। इसका खुलासा वाका के नवीनीकरण में शामिल श्रमिकों को जारी एक ईमेल के लीक होने से हुआ है।"

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।